मनेन्द्रगढ़
13 अगस्त 2026 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

मुंबई के घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 6 की मौत, 4 घायल

मलबे में दबे लोगों की कैमरों से तलाश, संकरी गलियों में मशीनों का पहुंचना मुश्किल

मुंबई,एजेंसी। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3:48 बजे गौसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा। हादसे के समय लोग सो रहे थे। अब 6 लोगों की मौत हुई। 4 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। DCP गणेश शिंदे ने बताया कि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

BMC के अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए रेस्क्यू टीम स्पेशल विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है।

घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है। संकरी गलियों के कारण भारी मशीनरी घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा को पहले ब्रेकर की मदद से निकाला जा रहा है। इसके बाद बाल्टियों में भरकर हाथ से हटाया जा रहा है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी समय लग रहा है।

गलियों में एक बार में एक व्यक्ति का अंदर जाना संभव: अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित इलाके तक पहुंचने वाली गलियां इतनी संकरी हैं कि एक समय में मुश्किल से एक व्यक्ति ही अंदर जा सकता है और दो लोग आमने-सामने भी खड़े नहीं हो सकते। पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शव अस्पताल भेज दिए गए हैं।

मृतकों के परिवार को 4-4 लाख मुआवजा... मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े ने घटनास्थल का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। वहीं, हादसे में घायल प्रत्येक व्यक्ति के इलाज के लिए 50 हजार देने की

एमपी-राजस्थान में 3 दिनों से बारिश, कई जगह बाढ़ जैसे हालात

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पानी भरा

» काशी में 100 मंदिर डूबे

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून एक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब 200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया। रतलाम, झाबुआ, धार, बड़वानी और इंदौर में अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा बारिश का अनुमान है।

उधर, राजस्थान में खोखी बांध की दीवार टूटने से 300 बीघा फसल खराब हो गई है। कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की टनल के एक हिस्से में दो-तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। वहीं, उत्तर प्रदेश में पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके चलते जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को पानी भर गया था। इसका वीडियो आज सामने आया है। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं।

असम में अभी भी बाढ़ से 441 गांव घिरे, 112718 नागरिक प्रभावित

गुवाहाटी,एजेंसी। असम में अभी भी बाढ़ से 441 गांव घिरे हैं और 112718 नागरिक प्रभावित हैं। नदियों का जलस्तर लगातार कम हो रह है इससे कई जिलों में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। मगर कई जिलों में बाढ़ का असर अब भी है। यहां के प्रभावित लोग राहत शिविरों के साथ ही तटबंधों पर प्लास्टिक के टेंट में आश्रय लिए हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा प्रतिदिन समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को हर संभव कदम उठाने का निर्देश दे रहे हैं। वह मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा भी कर रहे हैं। स्वयंसेवी संगठन एवं निजी स्तर पर भी लोग प्रभावितों की मदद में जुटे हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 11 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार, धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) तथा कुसियारा नदी (श्रीभूमि) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। अब तक बाढ़ से 102 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी भी गोलाघाट, शिवसागर, होजाई, जोरहाट, दरंग, लखीमपुर और नगांव जिला बाढ़ से घिरे हुए हैं। इन जिलों के 25 राजस्व मंडलों के कुल 441 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य के कुल 112718 नागरिक बाढ़ से प्रभावित हैं। 10879.03 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

6 की मौत तेलंगाना में ट्रक-ऑटो की टकर, 6 घायल

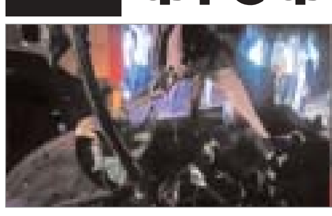

संगारेड्डी,एजेंसी। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में मंगलवार रात ऑटो-रिक्शा और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना रात करीब 8 बजे सतवार एक्स रोड पर हुई। ऑटो में ड्राइवर के अलावा 11 महिलाएं सवार थीं।

सभी कर्नाटक के बीदर की रहने वाली कृषि मजदूर थीं और काम खत्म करके घर लौट रही थीं। मरने वालों में एक ऑटो ड्राइवर और 5 महिलाएं थीं।

घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी: पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई थी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जहीराबाद और संगारेड्डी के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

देश में बिजनेस परिवारों की संपत्ति 138 लाख करोड़ हुई

ये नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से ज्यादा, रोजाना 4,076 करोड़ जोड़े

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के 300 सबसे अमीर फैमिली बिजनेस की कुल संपत्ति रिकॉर्ड 138 लाख करोड़ पर पहुंच गई है। 2024 के मुकाबले इनकी संपत्ति करीब 30 लाख करोड़ रुपए और 2025 के मुकाबले 1.23 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। यह संपत्ति नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से भी ज्यादा है। '2026 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस लिस्ट' के मुताबिक बीते दो सालों में इन बिजनेस फैमिली ने रोजाना औसतन 4,076 करोड़ जोड़े हैं।

जिंदल परिवार ने तीन साल में 3.3 लाख करोड़ की सबसे ज्यादा वेल्थ बनाई: जिंदल परिवार ने पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा वेल्थ क्रिएट की है। जिंदल परिवार ने बीते 3 सालों में अपनी संपत्ति में 3.3 लाख करोड़ रुपए जोड़े हैं, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ 70% बढ़कर 8.02 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है।

नीदरलैंड, सऊदी अरब और स्विट्जरलैंड की जीडीपी से भी बड़ी है यह संपत्ति : हुरुन इंडिया के फाउंडर और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद के अनुसार, भारत के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों की कुल संपत्ति 1.46 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 138 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है।

अनस रहमान ने बताया कि अगर इस लिस्ट में शामिल सभी परिवारों की कुल संपत्ति को मिलाकर एक देश मान लिया जाए, तो जीडीपी (GDP) के मामले में यह दुनिया की 18वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। यह नीदरलैंड, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और पोलैंड जैसे विकसित देशों की जीडीपी से भी अधिक है।

शाही एक्सपोर्ट्स के आहूजा परिवार की संपत्ति 3 साल में 352% बढ़ी... शाही एक्सपोर्ट्स के आहूजा परिवार ने बीते तीन सालों में ग्रोथ के मामले में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। आहूजा परिवार की संपत्ति 352% बढ़कर 37,500 करोड़ रुपए हो गई है, जो इस लिस्ट में तीन साल की सबसे उच्चतम ग्रोथ रेट है।

: ब्रीफ बॉक्स :

बेंगलुरु जेल में प्रज्वल रेवन्ना के पास फोन मिला पेन ड्राइव भी बरामद

बेंगलुरु,एजेंसी। बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल और पेन ड्राइव मिली है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (CCB) ने मंगलवार को जेल में छापेमारी की थी। जेल DGP अलोक कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

प्रज्वल जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना का बेटा और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता है। वह महिलाओं से रेप केस में अगस्त 2025 से उम्रकैद की सजा काट रहा है। उन्होंने बताया कि घटना सामने आने के बाद सेंट्रल जेल के असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड किया गया है। SP को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। CCTV फुटेज की जांच चल रही है।

इंडिगो फ्लाइट के इंजन में खराबी चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग

चेन्नई,एजेंसी। चेन्नई एयरपोर्ट पर मंगलवार देर रात एक इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट कोलकाता से चेन्नई आ रही थी। फ्लाइट चेन्नई में लैंड करने वाली थी, तभी पायलट ने महसूस किया कि बायां इंजन फेल हो गया है।

उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर रात 11:29 बजे फुल इमरजेंसी घोषित की गई। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान में 224 लोग सवार थे।

लैंडिंग से ठीक पहले ATC को अलर्ट मिला : एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6E-723 रात 9:15 बजे कोलकाता से रवाना होनी थी, लेकिन यह करीब 25 मिनट की देरी से रात 9:39 बजे रवाना हुई। विमान को रात 11:30 बजे चेन्नई पहुंचना था। रनवे पर उतरने से ठीक पहले पायलट को एहसास हुआ कि बाएं इंजन में खराबी आ गई है। इसके बाद पायलट ने ATC को अलर्ट किया।

हरिद्वार- 4.80 करोड़ कांवड़ियों ने 7000 मीट्रिक टन कचरा छोड़ा

● महिलाओं के चेंजिंग रूम में पेशाब भरी बोतलें मिलीं ● 1000 सफाई कर्मचारी बाहर से बुलाए

हरिद्वार,एजेंसी। हरिद्वार में 12 दिन की कांवड़ यात्रा के दौरान 4 करोड़ 80 लाख कांवड़िए 7 हजार मीट्रिक टन कचरा गंगा घाटों पर फैलाकर चले गए। सबसे बुरा हाल मां गंगा के आरती क्षेत्र हरकी पैड़ी का रहा। यहां कचरे के बड़े-बड़े ढेर दिखे। महिलाओं के चेंजिंग रूम में पेशाब से भरी बोतलें मिलीं।

हालात को देखते हुए 1000 आउटसोर्स यानी बाहर से बुलाए कर्मचारियों की मदद ली जा रही है। हरिद्वार जिला प्रशासन ने 18 अगस्त तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। नगर आयुक्त नंदन कुमार के अनुसार, डाक कांवड़ के दो दिनों में ही पूरे शहर में 1700 मीट्रिक टन कूड़ा फैला।

घाटों पर दिन-रात सफाई हो रही, कूड़ा रीसाइकिल होगा: अब कूड़े को ज्वालापुर स्थित सराय में कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट में रीसाइकिल के लिए भेजा जा रहा है। यहां से कूड़ा अलग-अलग करके आगे प्राइवेट कंपनियों को बेचा जाएगा और कुछ के कपड़े बनाए जाएंगे। नगर निगम दिन-रात अभियान चलाकर सफाई में जुटा है। सफाईकर्मियों का समूह सबसे पहले घाटों पर सफाई कर रहा है। कल शाम हुई गंगा आरती से पहले हरकी पैड़ी क्षेत्र को सबसे पहले साफ किया गया। हालांकि, अभी घाटों की स्थिति पहली जैसी नहीं हो पाई है। शिवरात्रि की संध्या आरती के बाद जब घाट खाली हुए, तब श्रद्धालुओं से ज्यादा कचरे के ढेर दिखे। पिछले साल करीब 4 करोड़ 52 लाख कांवड़िए जल लेकर गए थे। तब 8 हजार मीट्रिक टन कूड़ा गंगा घाटों से हटाया गया था।

नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत और सभी ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाने के आदेश दिए गए हैं। अभियान को परिणामदायक बनाने के लिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करेंगे और पूरी सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

कांवड़ यात्रा खत्म होने के बाद स्वच्छता महाअभियान... कांवड़ यात्रा के खत्म होने के बाद DM मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) डॉ ललित नारायण मिश्र ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर 12 से 18 अगस्त तक चलने वाले विशेष स्वच्छता महाअभियान की पूरी रूपरेखा तय की।

आईएसआई से जुड़ा पाकिस्तानी आतंकी बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेजों पर भारत में रह रहा था राना उऊफ

» कोलकाता के कारपेंटर ने की थी मदद

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल STF ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया। शक है कि उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) से संबंध हैं। वह जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। उसकी पहचान राना रऊफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। उसके पास फर्जी पहचान दस्तावेज मिले हैं। वह बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया।

2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था: STF सूत्रों के अनुसार, राउत मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था और इसके बाद पश्चिम बंगाल में रहने लगा।

शुरुआती जांच में उसके वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी पाकिस्तान भेजने की बात सामने आई है। STF ने मंगलवार रात टोपसिया से एक व्यक्ति को गिरफ्तार है, उसका रऊफ से सीधा संपर्क था और उसने कई तरह से उसकी मदद की थी; हालांकि, उन्होंने उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया।

रेलवे स्टेशनों और सेना से जुड़े दस्तावेज मिले... तलाशी के दौरान अधिकारियों ने उसके पास संवेदनशील सामग्री मिली है। इसमें देशभर के रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों की आवाजाही और रेलवे पटरियों की तस्वीरें शामिल हैं। भारतीय सेना से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं।

पीएम ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की बायोग्राफी लॉन्च की

● मोदी ने कहा- रील्स के दौर में शॉर्टकट न अपनाएं ● जेन-जी को दूसरों के संघर्षों से सीखना चाहिए

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बायोग्राफी ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माय लाइफ माय स्ट्रगल्स' लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से दूसरों के संघर्षों से सीखने और आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- आज रील्स का दौर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं और ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी रेलवे स्टेशनों पर लिखी बात याद रखें कि शॉर्टकट न अपनाएं। शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा के विमोचन पर बोले पीएम मोदी: प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इनसे किसी खास दौर को उस व्यक्ति के जीवन के जरिए समझने का मौका मिलता है जिसने उसे खुद अनुभव किया हो।

प्रधानमंत्री का मैसेज- शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। शॉर्ट कट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। नीट पेपर लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और रील 'पोस्ट' करें।

पूर्व राष्ट्रपति ने अपने संघर्षों का किया जिक्र... पूर्व राष्ट्रपति ने याद किया कि कैसे उनके घर की छत से बारिश का पानी टपकता था और उनका परिवार बारिश रुकने का इंतजार करता था। कोविंद ने कहा कि सरकारी आवास योजनाओं के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को सिर पर छत मिली है और उन्हें सम्मान के साथ जीने का मौका मिला है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 'कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति' के उत्थान के संकल्प को याद करते हुए कोविंद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत, उनका दृष्टिकोण और आम कार्यकर्ताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता ने भी उन्हें बहुत प्रभावित किया।

शाह बोले: संसद में हर मुद्दे पर जवाब दूंगा, विपक्ष बहस शुरू करे

● राहुल गांधी ने कहा: लेक्चर नहीं सुनना, बताएं छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं

नई दिल्ली,एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा, 'सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। आज 3 बजे से चर्चा शुरू करें। मैं सदन में बैठूंगा, सबको सुनूंगा और कल 3 बजे सबको जवाब दूंगा।'

इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।' दरअसल, विपक्ष छात्रों के आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान पर अड़ा है। इस कारण 17 दिनों से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। विपक्ष का आरोप है कि शाह सदन में नहीं आ रहे हैं। आज दोपहर 3 बजे से कल दोपहर 3 बजे तक सरकार हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है।

शाह ने पहली बार इस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया, कहा- रोज सदन में आ रहा हूं... शाह ने कहा कि विपक्ष दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा। जब संसद की कार्यवाही ही नहीं चलने दी जा रही है तो सदन में जाने का क्या मतलब है। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। अब जनता तय करे कि वास्तव में कौन भाग रहा है।

सर्दियों में नहीं, मानसून में बढ़ा एच1एन1 का आउटब्रेक

● अलर्ट पर दिल्ली के अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में इस बार वर्षा के मौसम में एच1एन1 का संक्रमण तेजी से बढ़ा है। सामान्य तौर पर सर्दियों में सामने आने वाला संक्रमण इस बार वर्षा में तेजी से बढ़ रहा है। अस्पतालों की ओपीडी और इमरजेंसी में बुखार, खांसी, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी वाले मरीज पहुंच रहे हैं। बच्चों में फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीज अधिक देखे जा रहे हैं। अस्पतालों में पहुंच रहे अधिकांश मरीजों की स्थिति माइल्ड है और उपचार से उनमें सुधार हो रहा है।

हालांकि, कुछ मरीजों में संक्रमण गंभीर होकर वायरल निमोनिया तक पहुंच रहा है और उन्हें भर्ती कर आइसीयू में निगरानी की आवश्यकता पड़ रही है। चिकित्सकों के अनुसार बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमारी से पीड़ित लोगों में संक्रमण गंभीर होने का खतरा अधिक रहता है।

अस्पतालों में विशेष निगरानी: दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार संक्रमण बढ़ने के बीच लोकनायक, सफदरजंग, आरएमएल, जीटीबी, एम्स और दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल समेत प्रमुख अस्पतालों में निगरानी बढ़ाई गई है। एच1एन1 के गंभीर मरीजों के लिए अलग बेड और उपचार की व्यवस्था रखी गई है। फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों की जांच के साथ उनकी स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सफदरजंग अस्पताल में अब तक 16 एच1एन1 के पुष्ट मामले सामने आए हैं, पहले इनकी संख्या 11 बताई गई थी। जीटीबी अस्पताल में फिलहाल किसी एच1एन1 मामले की पुष्टि नहीं हुई है। जीटीबी के उप चिकित्सा अधीक्षक डा. प्रवीण ने बताया कि फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों के नमूने नेशनल सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) के निर्देश पर जांच के लिए उन्हें भेजे जा रहे हैं। लोकनायक अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डा. बीएल चौधरी ने बताया कि एच1एन1 को लेकर अस्पताल में विशेष निगरानी व्यवस्था की गई है। लक्षण वाले मरीजों की जांच की व्यवस्था है और संदिग्ध मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

● पीएसआरआई में भी बढ़े मरीज

पीएसआरआइ में एच1एन1 के मरीजों में करीब चार गुना वृद्धि की जानकारी सामने आई है। कुछ मरीज वायरल निमोनिया की गंभीर स्थिति में पहुंचे हैं। पीएसआरआइ के इंस्टीट्यूट आफ पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन के चेयरमैन तथा एम्स पल्मोनरी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डा. जीसी खिलनानी ने बताया कि इस बार एच1एन1 का आउटब्रेक वर्षा में देखने को मिल रहा है, जबकि आमतौर पर इसके मामले सर्दियों में अधिक आते हैं। हालांकि वर्षा और एच1एन1 के बढ़ने के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। यह संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।

● सरकार सतर्क, जांच की सुविधा

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा है कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और सभी अस्पतालों को निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। संदिग्ध मरीजों की जांच और गंभीर मरीजों की समय पर पहचान पर जोर दिया जा रहा है। एच1एन1 की पुष्टि के लिए नाक या गले से स्वैब लेकर जांच की जाती है। संदिग्ध मरीजों के नमूने एनसीडीसी समेत अधिकृत प्रयोगशालाओं में भेजे जाते हैं।

● वर्षा नहीं, प्रतिकूल परिस्थितियां कारण

विशेषज्ञों के अनुसार वर्षा से एच1एन1 का सीधा संबंध नहीं है। नमी, तापमान में बदलाव, बंद और कम हवादार स्थानों में अधिक समय बिताना तथा स्कूल खुलने के बाद बच्चों के बीच बढ़ा संपर्क संक्रमण फैलने की परिस्थितियां बनी हैं।

प्रक्रिया इतनी धीमी नहीं हो सकती कि अगला चुनाव ही आ जाए, बंगाल एसआईआर को लेकर SC की सख्त टिप्पणी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से नाम काटे गए लोगों की करीब 34 लाख अपीलें ट्रिब्यूनल के पास लंबित होने पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल को अपना काम तेज करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि प्रक्रिया इतनी धीमी नहीं हो सकती कि अपीलें तय होने तक अगले विधानसभा चुनाव का समय आ जाए। बेंच में जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि ये ट्रिब्यूनल सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित किए गए थे। काफी समय बीत चुका है, इसलिए लंबित मामलों और निपटारे के आंकड़ों के आधार पर उनके प्रदर्शन की समीक्षा जरूरी है। कोर्ट ने चुनाव आयोग को 25 अगस्त तक लंबित मामलों और निपटारे के आंकड़े पेश करने का निर्देश दिया। जस्टिस बागची ने कहा कि आंकड़े मिलने के बाद प्रक्रिया तेज करने के लिए मार्गदर्शन और आईटी सहायता दी जा सकती है। कोर्ट ने अपीलों के निपटारे के लिए कोई सख्त समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया। नाम काटे गए लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से वंचित करने के मुद्दे को अलग बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में उठाने को कहा।

सरकारी स्कूल की 31 छात्राएं अचानक हुई बीमार, आनन–फानन में अस्पताल में कराया गया भर्ती

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के कोलकाता में एक सरकारी स्कूल में उस वक्त हड़कंप मच गया जब 31 छात्राओं की एकसाथ तबीयत खराब हो गई। कोलकाता के श्यामबाजार इलाके में एक सरकारी स्कूल की कम से कम 31 छात्राएं बीमार पड़कर अस्पताल में भर्ती कराई गई हैं। सोमवार रात 24 छात्राओं में मतली, उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया। मंगलवार को सात और छात्राओं को भर्ती किया गया। राज्य स्वास्थ्य मंत्री शरदवत मुखोपाध्याय ने सोमवार देर रात अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि शाम करीब 6 बजे कुछ छात्राओं को मतली और पेट दर्द की शिकायत हुई। हॉस्टल वार्डन ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। कुछ छात्राओं में डिहाइड्रेशन भी था। तुरंत इलाज शुरू किया गया और एक घंटे के अंदर सभी की हालत स्थिर हो गई। अभिभावकों का आरोप है कि मिड-डे मील या खराब पानी की वजह से छात्राएं बीमार हुईं। मंगलवार को राज्य स्वास्थ्य विभाग, कोलकाता म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (केएमसी) और आईसीएमआर की टीमों ने स्कूल के किचन और पानी के सैंपल एकत्र किए। पुलिस ने दो किचन सील कर दिए हैं, जिनमें से एक में आसपास के स्कूलों के करीब 6,000 छात्रों के लिए भोजन पकाया जाता था। जांच जारी है।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया।हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है।सरकारी वकील ने क्या बताया न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है। वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी।

तमिलनाडु विधानसभा में नीट के खिलाफ प्रस्ताव पास, भाजपा ने किया वॉकआउट

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को एक बार फिर चिकित्सा शिक्षा के भविष्य को लेकर तीखी राजनीतिक और सामाजिक गूंज सुनाई दी। राज्य विधानसभा ने केंद्र सरकार से नीट परीक्षा को पूरी तरह समाप्त करने का अनुरोध करते हुए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। इसके साथ ही मांग की गई है कि स्नातक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर ही सुनिश्चित किया जाए। यह प्रस्ताव राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के.जी. अरुणराज द्वारा सदन में पेश किया गया था। सरकार का पक्ष रखते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि नीट परीक्षा न केवल सामाजिक न्याय और समानता के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है, बल्कि यह चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में राज्यों के अधिकारों पर भी सीधा अतिक्रमण करती है। इसके अलावा, विधानसभा ने एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 के मौजूदा स्वरूप का विरोध करते हुए भी एक प्रस्ताव पास किया। सत्ता पक्ष और विपक्ष की एकजुटता बनाम भाजपा का विरोध इस अहम प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान द्रमुक, अन्नाद्रमुक, कांग्रेस, पीएमके, वामदलों और अन्य क्षेत्रीय दलों ने एकजुट होकर इसका पुरजोर समर्थन किया। दोनों प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों - द्रमुक और अन्नाद्रमुक - का इस मुद्दे पर एक साथ आना राज्य की राजनीतिक इच्छाशक्ति को साफ दर्शाता है। हालांकि, भाजपा के विधायक एम. भोजराजन ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया।

उनका तर्क था कि नीट परीक्षा छात्रों को एक निष्पक्ष अवसर और बेहतर भविष्य की उम्मीद प्रदान करती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पोलाची के एक ही स्कूल से 10 छात्रों ने इस परीक्षा को पास किया है। सरकार को नीट हटाने के बजाय सरकारी स्तर पर मुफ्त या बेहतर कोचिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देना चाहिए। विरोधस्वरूप उन्होंने मतदान में भाग लेने से इन्कार करते हुए सदन से वाकआउट कर दिया। प्रस्ताव में कहा, ग्रामीण और तमिल माध्यम के छात्रों पर संकट प्रस्ताव में इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है कि नीट की यह केंद्रीकृत व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और विशेषकर तमिल माध्यम से पढ़ाई करने वाले मेधावी छात्रों के सपनों को गंभीर रूप से आहत कर रही है।

रेप के दोषी पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास बेंगलुरु जेल में मिला फोन, अधिकारियों पर गिरी गाज

बेंगलुरु, एजेंसी। रेप मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद बेंगलुरु जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल फोन मिला है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों की अचानक छापेमारी के दौरान रेवन्ना फोन का इस्तेमाल करते हुए पाए गए। क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर लिया है और इस बात की जांच की जा रही है कि रेवन्ना को जेल के अंदर फोन कैसे मिला। अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए ड्यूटी में लापरवाही के लिए जेल के एक सीनियर अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है और प्रज्वल रेवन्ना की सेल में हुई चूक के लिए एक अन्य अधिकारी को नोटिस जारी किया है।

एक अधिकारी सस्पेंड, एक को भेजा गया नोटिस: कथित लापरवाही के लिए जेल के असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट ईरन्ना रंगापुर को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, जेल सुपरिटेंडेंट अंशुच कुमार को सुरक्षा में हुई चूक के लिए स्पष्टीकरण मांगते हुए शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के भतीजे रेवन्ना को पिछले साल रेप और डराने-धमकाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उन्हें एक 48 वर्षीय महिला के साथ यौन उत्पीड़न के वीडियो फैलाने का भी दोषी ठहराया गया था।

घर में काम करने वाली महिला के साथ रेप के दोषी रेवन्ना

हसन जिले के होलेनरासीपुरा में रेवन्ना परिवार के फार्महाउस पर घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली महिला ने आरोप लगाया था कि 2021 से प्रज्वल रेवन्ना ने कई बार उसका रेप किया। उन्होंने इस हरकत का वीडियो बना लिया था और धमकी दी थी कि अगर महिला ने किसी को इसके बारे में बताया तो वह वीडियो जारी कर देगा। वीडियो सामने आने के कुछ ही समय बाद रेवन्ना जर्मनी चले गए और बाद में जेडी (एस) ने उन्हें सस्पेंड कर दिया। वे 2024 का लोकसभा चुनाव हार गए और जर्मनी से लौटने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। **वीआईपी ट्रीटमेंट पर उठ रहे सवाल :** अब जेल के अंदर रेप के दोषी को कथित तौर पर वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मामले ने एक बार फिर बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में वीआईपी कैदियों को मिलने वाली खास सुविधाओं पर सबका ध्यान खींचा है।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल

जापान बोला- समुद्र में गिरी यों बढ़ा तनाव

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, संदिग्ध मिसाइल समुद्र में गिर गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया की ओर से दूसरी बार इस तरह के हथियार का परीक्षण किया गया है।दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने वहां की सेना के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक अज्ञात प्रक्षेप्य का प्रक्षेपण किया। दक्षिण कोरियाई सेना ने इस प्रक्षेपण की जानकारी ऐसे समय में दी है, जब क्षेत्र में सैन्य

गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है।अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास से पहले परीक्षणउत्तर कोरिया का यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका की ओर से अगले सप्ताह वार्षिक बड़े पैमाने का सैन्य अभ्यास शुरू करने की घोषणा के दो दिन बाद हुआ है। दोनों देशों का कहना है कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है।'उल्ची फ्रीडम शील्ड' नाम से होने वाले इस सैन्य अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। प्योंगयांग लंबे समय से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है। उत्तर कोरिया ऐसे अभ्यासों को अपने खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी के तौर पर देखता है।सैन्य अभ्यासों के जवाब में हथियार परीक्षणउत्तर कोरिया पहले भी दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बड़े सैन्य अभ्यासों के दौरान या उनके आसपास हथियारों का परीक्षण करता रहा है। ऐसे मौकों पर प्योंगयांग की ओर से कड़े बयान भी सामने आते रहे हैं। इसी वजह से इस ताजा मिसाइल प्रक्षेपण को भी क्षेत्र में चल रही सैन्य गतिविधियों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

रूस से तेल खरीद पर 100प्रतिशत टैरिफ का खतरा, यूएस अधिकारी बोले– पीएम मोदी और ट्रंप खुद सुलझाएंगे

मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर संभावित 100 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका की ओर से अहम बयान आया है। अमेरिकी व्यापार एवं विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे कामकाजी संबंध हैं और दोनों नेता इस मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। नवारो ने एएनआई के सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले में उन्हें या किसी अन्य अधिकारी को दोनों नेताओं के बीच आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर समाधान निकाल लेंगे।क्या रूस से तेल खरीद पर भारत पर लग सकता है 100 फीसदी टैरिफयह मामला अमेरिकी सीनेट में पारित एक द्विदलीय विधेयक के बाद चर्चा में आया है। 7 अगस्त को अमेरिकी सीनेट ने ऐसा विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीद जारी रखने वाले देशों के सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। सीनेट में लिंडसे ओ ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी मिली। इस प्रस्ताव का उद्देश्य रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना तथा मॉस्को के साथ बड़े ऊर्जा कारोबार वाले देशों को निशाना बनाना है।क्या भारत रूस से तेल खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल हैप्रस्ताव के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया जा सकता है। भारत और चीन रूस के कच्चे तेल के बड़े खरीदारों में शामिल हैं। विधेयक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य वरिष्ठ राजनीतिक एवं सैन्य अधिकारियों के अलावा वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और रूस के युद्ध प्रयासों से जुड़े संस्थानों पर नए प्रतिबंधों का भी प्रावधान है।क्या भारत ने 2022 के बाद रूस से तेल खरीद बढ़ाईरूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से रियायती कीमतों पर कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई। वैश्विक बाजार में अस्थिरता के बीच सस्ता रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए लागत को बेहतर ढंग से संभालने और घरेलू आपूर्ति बनाए रखने में मददगार रहा।अमेरिकी प्रस्ताव के तहत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों के सामने एक तरह से रूस से रियायती ऊर्जा खरीद जारी रखने या अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाए रखने के बीच विकल्प खड़ा हो सकता है।

रूस ने चार साल से हिरासत में रखे पूर्व अमेरिकी मरीन रॉबर्ट गिलमैन को छोड़ा, ट्रंप ने कैसे कराई रिहाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस में करीब चार साल से हिरासत में रखे गए पूर्व अमेरिकी मरीन रॉबर्ट गिलमैन को रिहा कर दिया गया है और अब वह अमेरिका लौट रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि रूस ने गिलमैन को मानवीय आधार पर रिहा किया है। ट्रंप के मुताबिक, उनकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद यह फैसला हुआ और इसके बदले रूस ने किसी व्यक्ति की मांग नहीं की। यानी दोनों देशों के बीच किसी तरह का कैदी आदान-प्रदान नहीं हुआ।

गिलमैन को रूस में क्यों गिरफ्तार किया गया था उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गिलमैन अगस्त 2019 से अगस्त 2020 तक अमेरिकी मरीन में सेवा दे चुके हैं। जनवरी 2022 में रूस के वोरोनिश शहर में ट्रेन से यात्रा के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

उन पर नशे की हालत में एक पुलिस अधिकारी को कथित तौर पर लात मारने का आरोप लगा था। रूस की ओर से सामने आई जानकारी के मुताबिक, इसी मामले में उन्हें जेल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, गिलमैन के पिता ने इन आरोपों को गलत बताया था।

गिलमैन की सजा चार साल से ज्यादा कैसे बढ़ गई: गिलमैन को शुरुआत में साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

इसके बाद जेल के भीतर कथित हमलों से जुड़े नए आरोप लगाए गए और उनकी सजा कई बार बढ़ाई गई। अमेरिका ने हाल में उन्हें गलत तरीके से हिरासत में लिए गए व्यक्ति के रूप में नामित किया था। अमेरिकी सरकार का कहना था कि गिलमैन को घर लौटकर जरूरी चिकित्सा उपचार मिलना चाहिए। वह रूस में हिरासत में रखे गए कम से कम 10 ज्ञात अमेरिकी नागरिकों में शामिल थे।

रॉबर्ट गिलमैन की रिहाई कैसे हुई और ट्रंप ने क्या कहा

32 वर्षीय रॉबर्ट गिलमैन को रूस ने 2022 में हिरासत में लिया था। ट्रंप ने बताया कि गिलमैन मंगलवार रात वॉशिंगटन डीसी के पास एंड्रयूज एयर फोर्स बेस पहुंचेंगे। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने गिलमैन से खुद बात की है और अमेरिका लौटने पर गिलमैन ने उनसे सिर्फ एक अच्छी चीजबर्गर खाने की इच्छा जताई। ट्रंप ने कहा कि वह उनकी यह इच्छा पूरी करेंगे। उन्होंने गिलमैन की रिहाई के लिए अपनी टीम और रूस के फैसले का भी आभार जताया।

अमेरिका ने गिलमैन की रिहाई पर क्या कहा

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी गिलमैन की रिहाई की पुष्टि की। उन्होंने रूस को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि गिलमैन को जरूरी चिकित्सा उपचार अमेरिका में मिल सकेगा। रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब भी रूस समेत अन्य जगहों पर हिरासत में रखे गए सभी अमेरिकी नागरिकों की वापसी की कोशिश कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से स्टीफन हबर्ड का भी उल्लेख किया और कहा कि ट्रंप प्रशासन तब तक प्रयास जारी रखेगा, जब तक गलत तरीके से हिरासत में लिए गए सभी अमेरिकी नागरिक घर नहीं लौट जाते।

रिहाई ट्रंप प्रशासन के लिए क्यों अहम

ट्रंप ने दावा किया कि उनके दूसरे कार्यकाल में विदेशों में हिरासत में लिए गए 100 से ज्यादा अमेरिकी नागरिकों को वापस लाया जा चुका है। गिलमैन की रिहाई भी इसी प्रयास का हिस्सा बताई गई है। इस मामले में खास बात यह है कि ट्रंप के मुताबिक रिहाई के बदले किसी व्यक्ति को रूस को नहीं सौंपा गया और कोई कैदी आदान–प्रदान नहीं हुआ। गिलमैन अब अपनी मां नैन्सी और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलेंगे। उनकी रिहाई ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका और रूस के बीच कई मुद्दों को लेकर तनाव बना हुआ है।

बिजली कर्मचारी बनकर सौभाग्य योजना की केबल चोरी करने का आरोप

रेरुआ कला में दिनदहाड़े चालू लाइन से केबल निकालने की शिकायत, ग्रामीणों ने पुलिस और बिजली विभाग से कार्रवाई की मांग की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी सौभाग्य योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर बिजली पहुंचाने के लिए बिछाई गई विद्युत केबल चोरी होने का मामला सामने आया है गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रेरुआ कला में ग्रामीणों ने एक व्यक्ति पर स्वयं को बिजली विभाग का कर्मचारी बताकर बिजली की केबल निकालने का आरोप लगाया है मामले की शिकायत एमपीईबी विभाग और गुढ़ थाने में किए जाने की बात ग्रामीणों ने कही है ग्रामीणों के अनुसार, विनय शुक्ला नामक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर दिनदहाड़े चालू विद्युत लाइनों से महंगी केबल निकाली जा रही है ग्रामीणों का आरोप है कि केबल निकालने के कारण सौभाग्य योजना के तहत विद्युत आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है मामले की जानकारी संबंधित विभाग और पुलिस को दिए जाने के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है ग्रामीणों का कहना है कि उक्त व्यक्ति के खिलाफ इससे पहले भी रात के समय मोटर और केबल चोरी किए जाने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं ग्रामीणों का आरोप है कि पहले चोरी की घटनाएं रात के अंधेरे में होती थीं लेकिन अब चोरों के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि दिनदहाड़े विद्युत केबल को निशाना बनाया जा रहा है ग्रामवासियों ने बताया कि मामले की शिकायत गुढ़ थाने के साथ-साथ एमपीईबी विभाग के अधिकारियों से भी की गई है। ग्रामीणों ने पुलिस एवं बिजली विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने केबल चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो सौभाग्य योजना के तहत बिछाई गई विद्युत लाइन और सरकारी संपत्ति को लगातार नुकसान पहुंच सकता है फिलहाल ग्रामीण पुलिस और बिजली विभाग की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना की वर्चुअल समीक्षा, समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

पोर्टल पर नियमित जानकारी अपडेट करने और विभागीय समन्वय मजबूत करने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा को लेकर बुधवार को दिल्ली से वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत चिन्हित जिलों में संचालित गतिविधियों, निर्धारित लक्ष्यों, विभागीय समन्वय, पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को योजना की गतिविधियों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने और मैदानी स्तर पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए बैठक में कहा गया कि प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत निर्धारित सभी गतिविधियों और लक्ष्यों की नियमित समीक्षा की जाए। योजना से संबंधित प्रगति की जानकारी पोर्टल पर समय पर दर्ज कर उसे अद्यतन रखा जाए, ताकि उच्च स्तर से योजनाओं की प्रभावी मॉनीटरिंग की जा सके अधिकारियों को विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए सामने आ रही कमियों को दूर करने तथा लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए 100 जिलों के बीच अनुभव साझा करने पर जोर कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत चिन्हित सभी 100 जिलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाना जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिसमें विभिन्न जिलों द्वारा किए जा रहे नवाचारों, सफल कार्यप्रणालियों और बेहतर परिणाम देने वाली गतिविधियों को साझा किया जा सके उन्होंने कहा कि किसी एक जिले में यदि कोई कार्य प्रभावी तरीके से किया जा रहा है तो उसकी जानकारी अन्य जिलों तक पहुंचाई जाए, ताकि सफल मॉडल को अपनाकर योजना के परिणामों में और सुधार लाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से स्थानीय स्तर पर किए जा रहे नवाचारों का दस्तावेजीकरण करने पर भी जोर दिया किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाना उद्देश्य कलेक्टर ने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल निर्धारित गतिविधियों की औपचारिक पूर्ति तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसके माध्यम से चिन्हित जिलों में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास को गति देने और किसानों की आय तथा उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आने चाहिए उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही मैदानी स्तर पर संचालित गतिविधियों की नियमित समीक्षा कर उनकी प्रगति का आकलन करने को कहा पोर्टल अपडेट में लापरवाही पर सख्त कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा हो और पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए उन्होंने कहा कि समय पर और सही जानकारी उपलब्ध होने से योजना की प्रगति का वास्तविक आकलन संभव होगा बैठक में सफल गतिविधियों एवं नवाचारों का दस्तावेजीकरण कर उन्हें अन्य जिलों के साथ साझा करने पर भी जोर दिया गया वर्चुअल समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूल के बाथरूम में छिपा रखा था गांजा, 92 किलो गांजा और 93 लीटर शराब जब्त

सिंगरौली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार दो कारें भी जब्त

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली पुलिस ने मकरोहर इलाके में मादक पदार्थ और अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 92 किलो गांजा, 93 लीटर अवैध शराब और दो कारें जब्त की हैं पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि दो आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं कार्रवाई का खुलासा एसपी सियाज के.एम. ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया पुलिस को सूचना मिली थी कि मकरोहर क्षेत्र में गांजा और अवैध शराब का जखीरा जमा कर रखा गया है सूचना के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी कार्रवाई के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपियों ने करीब 30 किलो गांजा एक सरकारी स्कूल के बाथरूम में छिपाकर रखा था पुलिस ने मौके से गांजा बरामद कर लिया एसपी ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा कार्रवाई की जानकारी मिलते ही एसपी सियाज के.एम. स्वयं मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई की जानकारी ली एसपी ने बताया कि बरामद गांजा कहां से लाया गया था और इसे किन स्थानों पर सप्लाई किया जाना था, इसकी जांच की जा रही है उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा 25 लाख रुपए से अधिक का माल जब्त पुलिस के अनुसार कुल 91 किलो 790 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 18 लाख 35 हजार रुपए है इसके अलावा 93 लीटर अवैध शराब भी जब्त की गई जिसकी कीमत करीब 51 हजार रुपए बताई गई है पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही दो कारें भी जब्त की हैं जिनकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए है इस तरह पुलिस ने करीब 25 लाख रुपए से अधिक का माल जब्त किया है दो गिरफ्तार दो की तलाश जारी पुलिस ने मामले में मकरोहर निवासी भूपेन्द्र सिंह (32) और सुशील सिंह (36) को गिरफ्तार किया है पुलिस के मुताबिक अवैध कारोबार में कुल चार लोग शामिल थे जिनमें से दो आरोपी फिलहाल फरार हैं पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है मामले में पुलिस सप्लाई नेटवर्क और अन्य जुड़े लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग 10 लाख रुपए का नुकसान घटनास्थल से बोतल और माचिस मिली, आगजनी की आशंका पुलिस ने शुरू की जांच

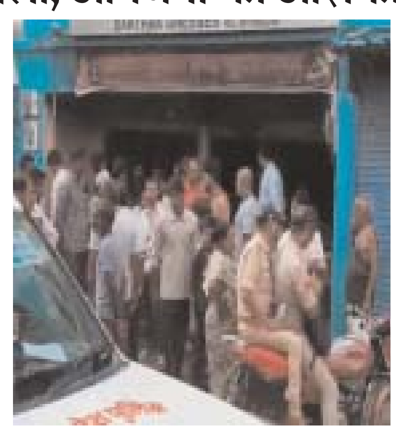

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सेमरिया कस्बे में मंगलवार देर रात कपड़े की दुकान में आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया घटना रामगोपाल चौक हनुमानगढ़ रोड स्थित अमृतलाल गुप्ता की सार्थक ड्रेसेस दुकान में हुई आग से दुकान में रखा कपड़ा और अन्य सामान पूरी तरह नष्ट हो गया दुकानदार ने करीब 10 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान जताया है घटनास्थल से एक बोतल और माचिस मिलने के बाद आगजनी की आशंका भी जताई जा रही है दुकान मालिक अमृतलाल गुप्ता के मुताबिक मंगलवार रात उन्हें दुकान में आग लगने की जानकारी नहीं मिल सकी बुधवार सुबह करीब 8 बजे जब वे दुकान पहुंचे तब अंदर आग लगने का पता चला इसके बाद उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी कपड़े समेत पूरा सामान जलकर नष्ट आग इतनी भीषण थी कि दुकान में रखा कपड़ा सहित अन्य सामान पूरी तरह जल गया अमृतलाल गुप्ता ने बताया कि दुकान में 6 लाख रुपए से अधिक कीमत का सामान रखा हुआ था जो आग की चपेट में आकर नष्ट हो गया इसके अलावा दुकान की इमारत को भी काफी नुकसान पहुंचा है सामान और भवन को मिलाकर कुल नुकसान करीब 10 लाख रुपए आंका गया है घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में भी नाराजगी है व्यापारियों ने आग लगने के वास्तविक कारणों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों का पता लगाने की मांग की है बोतल और माचिस मिलने से बढ़ा संदेह घटनास्थल से एक बोतल और माचिस मिलने के कारण आग लगने की परिस्थितियां संदिग्ध मानी जा रही हैं दुकान मालिक का कहना है कि यदि आग किसी तकनीकी या अन्य कारण से नहीं लगी है तो किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर दुकान को निशाना बनाए जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता पुलिस कर रही जांच सेमरिया थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है पुलिस आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के साथ नुकसान का आकलन भी कर रही है जांच पूरी होने के बाद ही आगजनी के कारणों और घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अभाविप ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा सैकड़ों कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा बुधवार को शहडोल शहर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई महात्मा गांधी स्टेडियम से शुरू हुई यात्रा में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर सहभागिता की इस दौरान देशभक्ति के नारों से शहर का वातावरण राष्ट्रप्रेम से सराबोर नजर आया तिरंगा यात्रा का शुभारंभ महात्मा गांधी स्टेडियम से हुआ हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और विद्यार्थी यात्रा में शामिल हुए यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी इस दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला अभाविप की तिरंगा यात्रा गांधी स्टेडियम से रवाना होकर गंज रोड और जैन मंदिर मार्ग से गुजरते हुए गांधी चौक पहुंची, जहां इसका समापन किया गया यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारे लगाकर लोगों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व से अवगत कराया अभाविप नेताओं ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस से पहले नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना और लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है। 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश की एकता-अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है तिरंगा यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे। एसपी संजय कुमार अग्रवाल के निर्देश पर यात्रा के मार्ग में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा पुलिसकर्मियों ने प्रमुख चौराहों और मार्गों पर निगरानी बनाए रखी तथा यातायात को व्यवस्थित किया यात्रा के दौरान आम राहगीरों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए पुलिस ने यातायात व्यवस्था संभाली शांतिपूर्ण माहौल में यात्रा के समापन के बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हो गई आयोजकों ने यात्रा में शामिल सभी कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस ने पार किया लाल IBS सिग्नल, रेलवे में मचा हड़कंप

पहुंचते ही शुरू हुई जांच, लाल सिग्नल पार करने की घटना को रेलवे ने माना गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुधवार सुबह कटनी से शहडोल आ रही बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस के लाल सिग्नल पार करने का मामला सामने आया है ट्रेन ने बंधवाबारा और शहडोल के बीच स्थित इंटरमीडिएट ब्लॉक स्टॉप (IBS) सिग्नल को लाल होने के बावजूद पार कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए ट्रेन के शहडोल स्टेशन पहुंचते ही जांच शुरू कर दी सुरक्षित दूरी के लिए होता है IBS सिग्नल IBS सिग्नल दो रेलवे स्टेशनों के बीच लंबे रेलखंड को छोटे-छोटे ब्लॉकों में विभाजित करता है इसका मुख्य उद्देश्य एक ही दिशा में चल रही ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना है इस व्यवस्था में ट्रैक पर ट्रेन की मौजूदगी का पता लगाने के लिए एक्सल काउंटर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है इन्हीं के आधार पर सिग्नल की स्थिति नियंत्रित होती है बताया गया कि बुधवार सुबह करीब 10 बजे बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस बंधवाबारा और शहडोल के बीच स्थित IBS सिग्नल के पास पहुंची। यहां सिग्नल लाल होने के बावजूद ट्रेन के आगे बढ़ने की सूचना सामने आई। रेलवे ने घटना को गंभीरता से लेते हुए ट्रेन के शहडोल पहुंचने पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली रेलवे नियमों के अनुसार, IBS सिग्नल लाल यानी ON होने पर लोको पायलट को ट्रेन को सिग्नल के पीछे रोकना होता है इसके बाद सिग्नल पोस्ट पर लगे टेलीफोन के माध्यम से पिछले स्टेशन के स्टेशन मास्टर से संपर्क कर आगे बढ़ने की अनुमति लेना आवश्यक है यदि टेलीफोन उपलब्ध नहीं हो या खराब हो तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत पांच मिनट इंतजार करने के बाद ट्रेन को अत्यधिक सावधानी के साथ आगे बढ़ाया जा सकता है अच्छी दृश्यता में गति 15 किमी प्रति घंटे और खराब दृश्यता में 8 किमी प्रति घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए अब रेलवे अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि लाल IBS सिग्नल के बावजूद ट्रेन आगे कैसे बढ़ी जांच में सिग्नल की स्थिति संचालन प्रक्रिया और लोको पायलट द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया की भी जांच की जाएगी जांच पूरी होने के बाद घटना के वास्तविक कारण सामने आने की उम्मीद है।

79 साल बाद भी रास्ते को तरस रहा मोजरा गांव, किसानों ने SDM को सौंपा ज्ञापन

बरसात में गांव का संपर्क टूटने का आरोप, रास्ता बहाल नहीं होने पर भारतीय किसान यूनियन ने आंदोलन की चेतावनी दी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा जिले के जवा अनुभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत छदहना के करीब 500 आबादी वाले पूर्वा टोला मोजरा के ग्रामीण आजादी के 79 वर्ष बाद भी मूलभूत आवागमन सुविधा से वंचित होने का आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में गांव का मुख्य मार्ग से संपर्क बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में बीमार व्यक्ति या प्रसव के मामले में मरीजों को खाट के सहारे मुख्य मार्ग तक पहुंचाने की मजबूरी रहती है समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत), ब्लॉक इकाई जवा के पदाधिकारी ग्रामीणों के साथ जवा अनुभाग कार्यालय पहुंचे। यहां धरना-प्रदर्शन के बाद अनुविभागीय अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर रास्ता बहाल कराने की मांग की गई। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा ज्ञापन में बताया गया कि मोजरा गांव के ग्रामीणों को मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए करीब 300 फीट पट्टे की भूमि से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार खसरा नंबर 338 और 350 में वर्ष 1995-96 एवं 1996-97 में रास्ता दर्ज था। आरोप है कि बाद में खसरा नंबर 338 को निरंक कर दिया गया। बंटवारे के बाद पुराना मार्ग खसरा नंबर 338/2 से होकर गुजरता है ग्रामीणों का आरोप है कि खसरा 338/2 के भूमिस्वामी अच्छेलाल नाई पिता स्व. केदार नाई ने मई-जून 2026 में रास्ते को जोतकर खाई बनवा दी और तारबंदी कर रास्ता बंद कर दिया रास्ता बंद होने के बाद डायल-112 पर शिकायत की गई, जिस पर पनवार थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तार हटवाकर रास्ता खुलवाया था किसान नेताओं के अनुसार समस्या के निराकरण के लिए 29 मई 2026 को तहसीलदार जवा और 2 जून को कलेक्टर रीवा को आवेदन दिया जा चुका है। इसके बाद 23 जून को तहसीलदार जवा के समक्ष खसरा सुधार एवं रास्ता बहाल करने का आवेदन भी पंजीबद्ध कराया गया, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होने का आरोप है ग्रामीणों का कहना है कि रास्ते को लेकर आए दिन विवाद की स्थिति बनती है इसी विवाद में भूमिस्वामी द्वारा गांव के पांच युवकों के खिलाफ पनवार थाने में एफआईआर दर्ज कराने की बात भी ज्ञापन में कही गई है किसान नेताओं ने एसडीएम जवा से मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर रास्ता बहाल कराने और ग्रामीणों को स्थायी आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

कुसमी में निकली विशाल तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा वनांचल तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक: विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कुसमी में बुधवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों शिक्षकों जनप्रतिनिधियों अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले विद्यार्थियों और नागरिकों ने राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के उत्साह से सराबोर कर दिया तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सांदीपनि विद्यालय कुसमी से हुआ यात्रा हनुमान मंदिर चौराहा होते हुए जनपद पंचायत कुसमी पहुंची मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया विद्यार्थियों ने अनुशासन एवं उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया इस अवसर पर विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के गौरव, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को प्रदर्शित करने का अवसर है उन्होंने कहा कि आज की तिरंगा यात्रा में विद्यार्थियों, युवाओं शिक्षकों और नागरिकों की जिस तरह से सहभागिता देखने को मिली है वह हमारे क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति की मजबूत भावना को दर्शाती है विधायक ने कहा कि देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी निर्वहन करना चाहिए और आने वाली पीढ़ी को देश के प्रति समर्पण, अनुशासन तथा जिम्मेदारी की भावना से जोड़ना चाहिए।

पैलेट के जख्म : पुलिस कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करे सरकार

संपादकीय

लोकतंत्र में विरोध और असहमति नागरिकों का महत्वपूर्ण अधिकार है। वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी है। किसी आंदोलन के दौरान यदि स्थिति हिंसक होती है या जन-धन को नुकसान पहुंचने की आशंका बनती है, तो प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ सकती है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे विरोध को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग की आवश्यकता, उसकी सीमा और उसकी वैधानिकता क्या थी? जंतर-मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई इसी वजह से चर्चा में आई। राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, हिंसक भीड़ और छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन से निपटने का तरीका एक जैसा नहीं हो सकता। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या परिस्थितियों के अनुरूप और आवश्यक थी।

पैलेट गन के इस्तेमाल पर विवाद

इस पूरे घटनाक्रम में पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर भी गंभीर विवाद सामने आया। दिल्ली पुलिस ने शुरुआत में पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया था। बाद में जनरल डायरी में रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा एंटी-रायट गन से दो राउंड फायरिंग किए जाने का उल्लेख सामने आया। इससे मामले को लेकर सवाल और गहरे हो गए। विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस नेतृत्व ने छात्रों पर बल प्रयोग को लेकर सरकार और गृह मंत्री पर लगातार निशाना साधा। वहीं सूचना के अधिकार के तहत दिल्ली के दो अस्पतालों से प्राप्त जानकारी में दावा किया गया कि 20 जुलाई के छात्र प्रदर्शन के दौरान कम से कम दस लोगों का पैलेट गन से घायल होने के बाद उपचार हुआ था। यदि यह जानकारी आधिकारिक चिकित्सा रिकॉर्ड पर आधारित है, तो इसकी गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रदर्शनकारियों के चेहरे, छाती और आंखों पर चोट लगने की खबरें भी सामने आईं। एक छात्र की आंख की रोशनी प्रभावित होने की आशंका ने मामले को और संवेदनशील बना दिया।

कानून-व्यवस्था के साथ मानवीय दृष्टिकोण भी जरूरी पुलिस के सामने चुनौती होती है कि वह हिंसा को नियंत्रित करे और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। लेकिन कार्रवाई का तरीका ऐसा होना चाहिए, जिससे अनावश्यक चोट और गंभीर नुकसान की संभावना न्यूनतम रहे। खासकर जब सामने छात्र और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने वाले प्रदर्शनकारी हों, तब बल प्रयोग के स्तर पर अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित है। सुप्रीम कोर्ट ने भी मेटल पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग से जुड़ी सुनवाई में मौजूदा नियमों के तहत विशेष परिस्थितियों में इनके इस्तेमाल की संभावना को स्वीकार किया है। लेकिन हथियार के कानूनी रूप से उपलब्ध होने और किसी विशेष घटना में उसके उचित अथवा अनुचित इस्तेमाल के सवाल अलग-अलग हैं। इसी अंतर को निष्पक्षता से जांचना जरूरी है।

पारदर्शी जांच से ही दूर होंगे सवाल ऐसे विवादों में आरोप-प्रत्यारोप के बजाय तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच सबसे जरूरी है। कार्रवाई के दौरान इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का पूरा रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, पुलिसकर्मियों के बॉडी कैमरा रिकॉर्ड, वायरलेस संचार और घायलों के मेडिकल रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाने चाहिए।

13 अगस्त - विश्व अंगदान दिवस पर विशेष

अंगदान : मृत्यु के बाद भी जीवन का महादान

सुरेश सिंह बैस ,

विश्वभर में प्रतिवर्ष 13 अगस्त को विश्व अंगदान दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, भ्रांतियों को दूर करना तथा अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि मनुष्य अपने जीवन के बाद भी किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जला सकता है। वास्तव में अंगदान केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और परोपकार का सर्वोच्च उदाहरण है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज हृदय, यकृत (लिवर), गुर्दा (किडनी), फेफड़े, अग्न्याशय (पैंक्रियाज़), छोटी आंत सहित अनेक अंगों का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नेत्र, त्वचा, अस्थियाँ, हृदय के वाल्व और अन्य ऊतकों का दान भी अनेक लोगों के जीवन को नई दिशा देता है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में लाखों मरीज ऐसे हैं जो अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दुर्भाग्यवश, उपलब्ध अंगों की संख्या आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। परिणामस्वरूप अनेक मरीज समय पर अंग न मिलने के कारण जीवन की लड़ाई हार जाते हैं। यदि समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता और सकारात्मक सोच विकसित हो जाए तो असंख्य जीवन बचाए जा सकते हैं।

विषय विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेन-स्टेम डेथ (मस्तिष्क मृत्यु) के बाद, चिकित्सकीय और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने पर व्यक्ति के कई अंग सुरक्षित रूप से दान किए जा सकते हैं। वहीं जीवित व्यक्ति भी चिकित्सकीय मानकों के अनुसार एक किडनी, लिवर का एक भाग तथा कुछ ऊतकों का दान कर सकता है। यह पूरी प्रक्रिया प्रशिक्षित चिकित्सकों की देखरेख में निर्धारित नियमों के अनुसार की जाती है। हमारे देश में अंगदान और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को कानूनी रूप से विनियमित किया गया है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार के अवैध व्यापार पर रोक लगाई जा सके। जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन सहित विभिन्न संस्थाएँ लगातार अभियान चला रही हैं। अंगदान को लेकर समाज में आज भी कई प्रकार की भ्रांतियाँ और अंधविश्वास मौजूद हैं। कुछ लोग धार्मिक कारणों से संकोच करते हैं, जबकि अधिकांश धर्मों के विद्वान मानव जीवन की रक्षा को सर्वोच्च मानते हैं और परोपकार की भावना का समर्थन करते हैं। इसलिए आवश्यक है कि वैज्ञानिक सोच, सही जानकारी और संवेदनशील संवाद के माध्यम से इन भ्रांतियों को दूर किया जाए। इस दिवस का संदेश केवल अंगदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मानवता के प्रति हमारे कर्तव्य का भी स्मरण कराता है। यदि किसी व्यक्ति के अंग किसी दूसरे के शरीर में धड़कते रहें, किसी अंधे को दृष्टि मिल जाए या किसी गंभीर रोगी को नया जीवन मिल जाए, तो इससे बड़ा मानवीय उपहार कोई नहीं हो सकता।

आज के इस दौर में विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और स्वास्थ्य संगठनों के माध्यम से अंगदान के प्रति व्यापक जनजागरण किया जाए। प्रत्येक नागरिक को अंगदान संबंधी सही जानकारी प्राप्त करनी चाहिए और अपने परिवार के साथ इस विषय पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए।

मानवता की सेवा के इस महान अभियान का समर्थन करेंगे और समाज में अंगदान के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करेंगे। क्योंकि अंगदान केवल शरीर का दान नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति के जीवन में आशा, मुस्कान और भविष्य का संचार करने वाला महादान है।

केरलम् में वंदे मातरम् से परहेज ! दक्षिण भारत के अपने इतिहास को देखिए..

केरलम् में 'वंदे मातरम्' के पूर्ण गायन को लेकर जिस तरह की आपत्ति सामने आई है, उसने एक साधारण प्रशासनिक निर्देश को गंभीर राष्ट्रीय विमर्श में बदल दिया है। सवाल यह है कि क्या भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की राष्ट्रीय स्मृति को भी राज्यों, दलों और राजनीतिक सुविधा की सीमाओं में बांटा जा सकता है? केरलम् सरकार की ओर से यह कहा गया कि सरकारी कार्यक्रमों में पहले की परंपरा के अनुसार वंदे मातरम के शुरुआती दो पद ही गाए जाएंगे। कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने इससे भी आगे जाकर पूरे गीत के गायन का तीखा विरोध किया। दूसरी ओर केंद्र सरकार 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में इसके सामूहिक गायन पर जोर दे रही है। इसी बीच तमिलनाडु विधानसभा ने राज्य के सार्वजनिक कार्यक्रमों में 'तमिल थाई वाझ्थु' को आरंभ में गाने का प्रस्ताव पारित किया है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यहां एक बात बहुत साफ समझने की जरूरत है। किसी राज्य को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा पर गर्व करने का पूरा अधिकार है। तमिल को सम्मान मिलना चाहिए, मलयालम को सम्मान मिलना चाहिए, कन्नड़, तेलुगु, कोंकणी और हर भारतीय भाषा को सम्मान मिलना चाहिए, किंतु अपनी क्षेत्रीय अस्मिता का सम्मान करने के लिए राष्ट्रीय स्मृति से दूरी बनाना आवश्यक नहीं है। भारत की सुन्दरता ही यही है कि तमिल अपनी जगह तमिल है, मलयालम अपनी जगह मलयालम है, पर स्वतंत्रता का इतिहास सबका संयुक्त है। इसमें सभी का सर्वस्व त्याग एवं समर्पण समाहित है। वस्तुतः वंदे मातरम इसी साझा स्वरूप का ही प्रकटीकरण है।

यदि 'वंदे मातरम्' को उत्तर भारतीय या किसी एक राजनीतिक विचारधारा का प्रतीक बताने की कोशिश की जाए तो तमिलनाडु का इतिहास इस तर्क को सीधे चुनौती देता है। महाकवि सुब्रमण्यम भारती (1882-1921) तमिलनाडु के एक महान कवि, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक रहे। उन्होंने बंकिम चंद्र चटर्जी के अमर गीत 'वंदे मातरम्' का तमिल भाषा में अनुवाद और रूपांतरण किया था, जिसने दक्षिण भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जन-जन में देशभक्ति की प्रखर भावना जगाई। कन्नन पट्टू नीलवुम वनमिनम कात्रुम पांचाली सबातम कुयिल पट्टू भारती के महान काव्य उत्पादन के उदाहरण हैं।

भारती को देशभक्ति से भरपूर उनकी अनेक कविताओं के कारण राष्ट्रीय कवि माना जाता है, जिनके माध्यम से उन्होंने लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने और देश की मुक्ति के लिए सक्रिय रूप से काम करने के लिए प्रेरित किया। अपने देश पर गर्व करने के अलावा, उन्होंने एक स्वतंत्र भारत के अपने दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया। उन्होंने 1908 में सनसनीखेज रचना सुदेशा गीतंगल प्रकाशित की।

भारत सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव पोर्टल भी दर्ज करता है कि भारती के कार्यों ने मद्रास क्षेत्र में स्वदेशी आंदोलन की जनमत-निर्माण प्रक्रिया में भूमिका निभाई और उनके एक कार्टून में वंदे मातरम ध्वज का चित्रण भी था, और बात यहीं खत्म नहीं होती। सुब्रमणिय भारती के प्रकाशित काव्य-संकलनों में 'वन्देमातरम स्वतंत्र रचना के रूप में दर्ज है। 1977 में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित Poems of Subramania Bharati में वन्देमातरम शामिल है; 1984 के Subramania BharatiÑ Chosen Poems and Prose में भी इसकी स्पष्ट उपस्थिति है। यानी जिस दक्षिण भारत को आज वंदे मातरम के संदर्भ में राजनीतिक दूरी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, उसी दक्षिण भारत का एक महानतम राष्ट्रवादी कवि इसे अपने साहित्य और स्वतंत्रता चेतना का हिस्सा बना चुका था।

तमिलनाडु के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जुड़ा एक सरकारी दस्तावेज इससे भी अधिक स्पष्ट है। उसमें दर्ज है कि भारती के Swadesha Geethangal में 'न्देमातरम पहला राष्ट्रीय गीत था और इसे स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित करने वाला महान उद्घोष बताया गया है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि भारती के गीत अशिक्षित जनता तक राष्ट्रीय भावना पहुंचाने का माध्यम बने और लोग उन्हें गाकर सुनाते थे। तो फिर आज सवाल यह है कि वंदे मातरम दक्षिण भारत का कैसे नहीं हुआ? क्या तमिलनाडु के महाकवि भारती को यह इतिहास पता नहीं था? क्या स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मद्रास की धरती पर उठी 'वंदे मातरम्' की आवाज को आज भुला दिया जाए? क्या किसी राष्ट्रीय गीत की स्वीकार्यता इस बात से तय होगी कि आज कौन-सी राजनीतिक पार्टी उसे अपने कार्यक्रम में गा रही है?

भारती का स्पष्ट मत था जोकि उनके साहित्य लेखन में कई स्थानों पर प्रकट भी हुआ है, जब तक भारतीय भारत माता की संतान के रूप में एकजुट नहीं होंगे, तब तक उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हो सकती। आज यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम सभी अपने राष्ट्र एवं मां भारत माता की वन्दना वन्देमातरम के लिए एक मत और एक स्वर नहीं हो पा रहे हैं। हमारे क्षेत्रीय एवं वोट के स्वार्थ इतने बड़े हैं कि हम उसी मां की आराधना करने से पीछे हट रहे हैं, जिससे जीवन पाकर अंत में उसी में विलय हो जाना है!

वंदे मातरम बंगाल में जन्मा, लेकिन उसकी यात्रा बंगाल तक नहीं रुकी। यह तमिल में पहुंचा, तेलुगु में पहुंचा, कन्नड़ में पहुंचा, मलयालम में पहुंचा, हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में पहुंचा। इसके अनुवाद और रूपांतरणों ने इसे भारतीय भाषाओं की साझा राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाया। इसका अर्थ ही यही है कि वंदे मातरम किसी भौगोलिक प्रदेश की सीमा में कैद अथवा सीमित गीत कभी नहीं रहा। वह भारतीय राष्ट्रवाद के विस्तार के साथ पूरे देश में यात्रा करता रहा है।यही बात उन लोगों को समझनी चाहिए जो आज इसे किसी एक राजनीतिक दल का प्रतीक बताकर उससे दूरी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वंदे मातरम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पैदा होने से दशकों पहले से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष रहता आया है। कांग्रेस के अधिवेशनों में इसे स्थान मिला। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ ठाकुर ने इसे गाया। 1905 के स्वदेशी आंदोलन में यह राजनीतिक उद्घोष बन चुका था। 1950 में संविधान सभा ने जन गण मन के साथ समान सम्मान के साथ राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया।

वस्तुतः ऐसे में आज यदि कोई कांग्रेस नेता यह कहता है कि पूरा गीत गाने में तीन मिनट दस सेकंड लगते हैं और इतने समय तक खड़ा रहना व्यावहारिक कठिनाई हो सकती है, तो उस तर्क पर चर्चा हो सकती है। सम्मान कानून से पैदा नहीं होता, यह बात सही है। किसी नागरिक के मन में देशभक्ति आदेश से नहीं भरी जा सकती, यह भी सही है, किंतु क्या किसी राष्ट्रीय गीत के सम्मान को उसकी अवधि से तौलना उचित है? क्या तीन मिनट दस सेकंड किसी राष्ट्र की स्मृति के सामने इतना बड़ा समय है कि उसे लेकर असहजता पैदा हो जाए? क्या हम अपनी भारत माता एवं राष्ट्र भारत के आराधन के लिए तीन मिनट 10 सेकेंड भी नहीं खड़े होकर उसे सम्मान नहीं दे सकते?

सच तो यह है कि जिस भारत के स्वतंत्रता सेनानी वर्षों जेल में रहे, जिन्होंने अपनी संपत्ति गंवाई, जिनकी नौकरियां गईं, जिन्होंने परिवारों से दूरी सही और जिन्होंने अपने जीवन तक को राष्ट्र के नाम कर दिया, उनके सामने तीन मिनट दस सेकंड का तर्क बहुत छोटा दिखाई देता है और यहां वंदे मातरम की असली शक्ति समझने की जरूरत है। यह गीत उस समय लिखा गया जब भारत स्वतंत्र नहीं था। उस समय किसी भारतीय के पास यह सुविधा नहीं थी कि वह राष्ट्रीय सम्मान, राष्ट्रीय पहचान और देशभक्ति पर आराम से बैठकर बहस करे। औपनिवेशिक शासन की कठोरता के बीच राष्ट्रीय चेतना को जगाना ही अपने आप में प्रतिरोध था। 'वंदे मातरम इसी प्रतिरोध की भाषा बना। केरल की राजनीति में वंदे मातरम का विरोध करने वालों से यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि क्या राज्य की क्षेत्रीय अस्मिता और भारत की राष्ट्रीय अस्मिता एक-दूसरे की विरोधी हैं? यदि उत्तर नहीं है, तो फिर समस्या कहां है? केरल अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व करे, किंतु केरल के उन स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद करे जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। तमिलनाडु अपनी तमिल पहचान पर गर्व करे, लेकिन सी. सुब्रमण्यम भरथियार को भी याद करे, जिन्होंने तमिल भाषा में भारत माता की स्वतंत्रता का गीत गाया। यही तो भारतीयता है।

वस्तुतः वंदे मातरम की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह क्षेत्रीय सीमाओं को पार करता है। बंगाल के बंकिमचंद्र की रचना तमिलनाडु के भारती की आवाज बनती है। उत्तर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में गूंजती है। दक्षिण के आंदोलनों में पहुंचती है। कांग्रेस के मंच पर सुनाई देती है। क्रांतिकारियों के बीच उद्घोष बनती है और अंततः स्वतंत्र भारत की संविधान सभा इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में सम्मान देती है।

2026 में इसके 150 वर्ष पूरे होना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें अपने इतिहास को फिर से पढ़ने का अवसर देता है। 7 नवंबर 1875 को इसकी रचना पहली बार बंगदर्शन में प्रकाशित हुई थी। बाद में यह बंकिमचंद्र के आनन्द मठ में आया और 1896 के कांग्रेस अधिवेशन से लेकर स्वदेशी आंदोलन तक इसकी यात्रा ने इसे राष्ट्रीय चेतना का शक्तिशाली प्रतीक बना दिया।अब सवाल यह नहीं कि पूरा गीत कितने मिनट का है।सवाल यह है कि क्या 150 वर्ष की इस यात्रा को हम तीन मिनट दस सेकंड की घड़ी में समेट सकते हैं?

जिस गीत ने अनेकों स्थान पर परतंत्र भारत में लोगों को यह कहने का साहस दिया कि मातृभूमि हमारी सर्वोच्च पहचान है, उसके सामने स्वाधीन भारत में तीन मिनट खड़ा होना यदि किसी को बहुत लंबा लगता है, तो समस्या शायद गीत की अवधि में नहीं है। समस्या उस सोच में है, जोकि एक नागरिक के रूप में भारत के लिए पूर्ण समर्पण से रोकती है। गहनता से विचार करें, जिस तमिल कवि ने वंदे मातरम को अपने राष्ट्रवादी साहित्य में जगह दी, क्या वह आज के इस विमर्श में हमारे सामने खड़े होकर यह नहीं पूछेगा कि जिस गीत को हमने स्वतंत्रता के संघर्ष में गाया था, आज उसे राजनीतिक विवाद का विषय क्यों बनाया जा रहा है? जिस भारत के दक्षिणी छोर पर भारती ने इसकी आवाज को तमिल जनमानस तक पहुंचाया, उसी भारत के एक राज्य में आज इसके पूर्ण गायन पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए? कहना होगा कि 'वंदे मातरम्' को मानना किसी पार्टी को मानना नहीं है। इसे सम्मान देना किसी सरकार की प्रशंसा करना नहीं है। इसके इतिहास को स्वीकार करना किसी धर्म के पक्ष में खड़ा होना नहीं है। यह उस स्वतंत्रता आंदोलन को स्वीकार करना है जिसमें भारत के अलग-अलग प्रदेशों, भाषाओं और समुदायों के लोगों ने अपनी-अपनी आवाज जोड़कर एक राष्ट्रीय स्वर बनाया। आज जब भारत विकसित भारत 2047 की बात करता है, जब उसकी युवा पीढ़ी अंतरिक्ष, विज्ञान, रक्षा, प्रौद्योगिकी और अर्थव्यवस्था में नई ऊंचाइयां छूने का सपना देख रही है, तब उसे यह भी जानना चाहिए कि स्वतंत्रता की नींव किन आवाजों ने मजबूत की थी। ध्यान रहे! वंदे मातरम उन आवाजों में एक प्रमुख आवाज है।

युवा शति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है।

ललित गर्ग

वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं। दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा। युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है। आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है। यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है-जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी।अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है। इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है।

जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में गूंजा देशभक्ति का जयघोष, निकली भव्य हर घर तिरंगा यात्रा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया नेतृत्व, हजारों नागरिकों ने हाथों में तिरंगा थाम कर दिया राष्ट्रभक्ति, एकता और अखंडता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के गौरवमयी अवसर को लेकर पूरे जिले में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण बना हुआ है इसी कड़ी में हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में भव्य एवं विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य आतिथ्य एवं नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों पुलिस अधिकारियों स्कूली विद्यार्थियों शिक्षकों सामाजिक संगठनों नागरिकों और विभिन्न वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की हजारों हाथों में लहराते तिरंगे और भारत माता के जयघोष से पूरा मनेंद्रगढ़ शहर देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया खेड़िया टॉकीज से शुरू हुई तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर भव्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ शहर के ऐतिहासिक खेड़िया टॉकीज से हुआ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राष्ट्रीय ध्वज लहराकर यात्रा का नेतृत्व किया यात्रा प्रारंभ होते ही भारत माता की जय वंदे मातरम और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा हाथों में तिरंगा थामे नागरिकों की लंबी कतार और उत्साहित स्कूली विद्यार्थियों ने यात्रा को आकर्षक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया तिरंगा यात्रा खेड़िया टॉकीज से प्रारंभ होकर पीडब्ल्यूडी तिराहा सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी यात्रा के मार्ग में स्थानीय नागरिकों ने घरों एवं प्रतिष्ठानों से पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रियों का स्वागत किया नागरिकों ने भी यात्रा में शामिल होकर राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं और देशभक्ति का प्रदर्शन किया यात्रा के दौरान पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया तिरंगा यात्रा का समापन स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़ में हुआ जहां उपस्थित लोगों को राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया गय तिरंगा देश की एकता अखंडता त्याग और बलिदान का प्रतीक स्वास्थ्य मंत्री समापन अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देश की एकता अखंडता त्याग बलिदान और गौरव का प्रतीक है तिरंगा देश के प्रत्येक नागरिक को एक सूत्र में जोड़ता है और हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अभियान प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम जिम्मेदारी और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का अवसर है उन्होंने जिले वासियों से अपील की कि वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों में सम्मान पूर्वक तिरंगा फहराएं और देश की प्रगति में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश की प्रगति केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है उन्होंने युवाओं एवं विद्यार्थियों से शिक्षा अनुशासन परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

कलेक्टर, एसपी सहित प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद: भव्य तिरंगा यात्रा में मनेंद्रगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, पूर्व संसदीय सचिव एवं जिला अध्यक्ष चम्पा देवी पावले, कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम एवं अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि विशेष रूप से शामिल हुए कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने आम नागरिकों के साथ कदम से कदम मिलाकर यात्रा में सहभागिता की अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमापूर्ण स्वरूप प्रदान किया विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न जनप्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे विद्यार्थियों में दिखा गजब का उत्साह, देशभक्ति गीतों से बना माहौल तिरंगा यात्रा का सबसे आकर्षक पक्ष जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही हाथों में तिरंगा लेकर अनुशासित ढंग से यात्रा में शामिल विद्यार्थियों ने पूरे आयोजन में नई ऊर्जा का संचार किया।

कांवड़ यात्रा से लौट रहे परिवार पर हमला, कुल्हाड़ी से सिर पर वार का आरोप

मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। सिरसौद थाना क्षेत्र में कांवड़ यात्रा से लौट रहे एक परिवार ने रास्ता रोककर मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है पीड़ित परिवार के अनुसार ग्राम कुश्यारा स्थित शिव मंदिर के पास आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया और शराब के लिए पैसे मांगने लगे। पैसे देने से इनकार करने पर विवाद बढ़ गया और मारपीट की गई घटना में एक युवक के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला किए जाने का आरोप है पीड़ित परिवार बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की पीड़ित रिंकू परिहार ने बताया कि घटना 11 अगस्त की शाम करीब 4 बजे की है उसका भाई कांवड़ लेकर आया था और ससुराल पक्ष के लोग ग्राम चौकी में कांवड़ चढ़ाने पहुंचे थे शिव मंदिर में कांवड़ चढ़ाने के बाद परिवार वापस लौट रहा था इसी दौरान ग्राम कुश्यारा के शिव मंदिर के पास बारिश होने के कारण परिवार पेड़ के नीचे रुक गया रिंकू का आरोप है कि इसी दौरान जयपाल रावत, अजय रावत और भोटा रावत कथित रूप से कुल्हाड़ी लाठी और डंडे लेकर वहां पहुंचे आरोपियों ने उसके साले अजय परिहार से शराब पीने के लिए पैसे मांगे पैसे देने से मना करने पर मोबाइल छीन लिया गया विरोध करने पर गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है रिंकू के मुताबिक विवाद के दौरान जयपाल रावत ने उसके सिर पर कुल्हाड़ी से हमला किया जबकि अजय रावत पर लाठी से मारपीट करने का आरोप है बीच-बचाव करने पहुंची रिंकू की मां के साथ भी मारपीट किए जाने की बात कही गई है। रिंकू के सिर में गंभीर चोट आई और 12 टांके लगाए गए परिवार ने पुलिस पर गंभीर धाराओं में कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए एसपी कार्यालय में शिकायत दी और सुरक्षा व सख्त कार्रवाई की मांग की सिरसौद थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि दोनों पक्षों में मारपीट हुई है और दोनों पक्षों ने शिकायत दर्ज कराई है पुलिस मामले की जांच कर रही है जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विभाजन की विभीषिका, हर घर तिरंगा और वंदे मातरम थीम पर तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य शासन के मंशानुरूप स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जनसम्पर्क विभाग मनेन्द्रगढ़ द्वारा तीन दिवसीय विशेष छायाचित्र प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया है यह प्रदर्शनी 12 अगस्त से 14 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है जिसका मुख्य उद्देश्य आमजन और युवा पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास तथा देश विभाजन के दर्द से अवगत कराना है प्रदर्शनी का गरिमामयी शुभारंभ और अवलोकन प्रदेश के यशस्वी स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल जिले की कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े एवं पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनेंद्रगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, पूर्व संसदीय सचिव एवं जिला अध्यक्ष चम्पा देवी पावले, तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम एवं अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार एसडीएम लिंगराज सिदार एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और प्रदर्शनी का अवलोकन किया जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी को तीन प्रमुख विषयों (थीम) पर केंद्रित किया गया है भारत विभाजन की विभीषिका स्मरण दिवस हर घर तिरंगा और वंदे मातरम प्रदर्शनी में लगाई गई दुर्लभ और ऐतिहासिक तस्वीरें भारत विभाजन की उस दु:खद वास्तविकता लाखों लोगों के अदम्य साहस संघर्ष और उनके महान बलिदान को जीवंत करती हैं इसके साथ ही हर घर तिरंगा और वंदे मातरम के माध्यम से देशभक्ति के जज्बे को बखूबी दर्शाया गया है स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार के निर्णयानुसार 14 अगस्त को भारत विभाजन की विभीषिका स्मरण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हमारी नई और युवा पीढ़ी को देश के विभाजन की दु:खद सच्चाइयों से परिचित कराना है ताकि वे उन लाखों लोगों के बलिदान को याद रखकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े और पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी में पहुंचे स्कूली बच्चे ऐतिहासिक तस्वीरों को देखकर बेहद प्रभावित हुए।

बारिश से उफने नदी-नाले, पहली बार पूरे वेग से बहा पवा झरना

100 फीट की ऊंचाई से गिरता झरना देखने उमड़े सैलानी, रपटों पर बह रहा पानी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं ग्रामीण क्षेत्रों में कई रपटों के ऊपर से पानी बहने के कारण आवागमन प्रभावित हो गया है वहीं कोलारस-पोहरी तहसील के बीच स्थित पवा झरना भी इस सीजन में पहली बार पूरे वेग से बहने लगा है करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिरते झरने का मनमोहक नजारा देखने बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं बारिश के चलते जिले के ग्रामीण इलाकों में कई रपटों पर पानी आ गया है इसके बावजूद कुछ लोग जान जोखिम में डालकर बहते पानी के बीच से वाहन निकालकर रास्ता पार कर रहे हैं तेज बहाव के कारण ऐसे स्थानों पर कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है प्रशासन ने लोगों से पानी के तेज बहाव वाले रास्तों को पार नहीं करने और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है इधर बारिश के बाद जिले के झरने और नदी किनारे भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं पवा झरने का जलस्तर बढ़ने से इसका स्वरूप और भी आकर्षक हो गया है बड़ी संख्या में लोग झरने का नजारा देखने पहुंच रहे हैं हालांकि पानी के तेज बहाव को देखते हुए यहां भी सावधानी बरतना जरूरी है नदी में नहाते समय 22 वर्षीय युवक की मौत इससे पहले मंगलवार दोपहर तेंदुआ थाना क्षेत्र में नदी में नहाने के दौरान 22 वर्षीय युवक छोटू जाटव की डूबने से मौत हो गई श्योपुर जिले के सहसराम निवासी छोटू अपनी ससुराल आया हुआ था वह अपने साले और साडू के साथ बाइक से लौट रहा था केनवाया गांव के पास तीनों नदी में नहाने के लिए रुक गए। इसी दौरान छोटू गहरे पानी में चला गया और डूब गया। लोगों ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी CEO ने की सतर्क रहने की अपील लगातार बारिश और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है उन्होंने जलभराव वाले स्थानों, नदी-नालों रपटों और झरनों के पास जाने से बचने तथा तेज बहाव वाले पानी में प्रवेश नहीं करने की सलाह दी है।

QR कोड का बहाना बनाकर 2100 रुपए का पेट्रोल लेकर भागे कार सवार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप पर बिना भुगतान किए पेट्रोल लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। कार सवार युवकों ने 2100 रुपए का पेट्रोल भरवाया और ऑनलाइन भुगतान करने का बहाना बनाकर मौके से कार सहित फरार हो गए पूरी घटना पेट्रोल पंप पर लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई पंप प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 6 बजे गुना से शिवपुरी की ओर जा रही एक कार NH-46 स्थित बच्चन धन पत्ते वाले पेट्रोल पंप पर पहुंची कार से एक युवक नीचे उतरा और सेल्समैन नरेंद्र दांगी से 2100 रुपए का पेट्रोल डालने के लिए कहा QR कोड का स्क्रीनशॉट भेजने का दिया बहाना पेट्रोल लेने के बाद भुगतान के लिए युवक ने पंप का QR कोड मांगा उसने सेल्समैन से कहा कि वह QR कोड का स्क्रीनशॉट अपने परिचित को भेजेगा और परिचित ऑनलाइन भुगतान कर देगा युवक की बात पर भरोसा करते हुए सेल्समैन ने कार में पेट्रोल भरना शुरू कर दिया पेट्रोल भरने के दौरान युवक कार के पास ही खड़ा रहा पेट्रोल पूरा होते ही वह मोबाइल पर बात करते हुए कार में जाकर बैठ गया इसी दौरान कार चालक ने वाहन स्टार्ट किया और तेज रफ्तार से पेट्रोल पंप से निकल गया सेल्समैन ने कार रोकने का प्रयास किया लेकिन युवक तेजी से फरार हो गए दोनों तरफ नहीं थी नंबर प्लेट घटना के बाद पंप प्रबंधन ने कोलारस थाने में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने CCTV फुटेज को जांच के लिए लिया है पुलिस के मुताबिक संदिग्ध कार के आगे और पीछे दोनों तरफ नंबर प्लेट नहीं लगी थी इससे घटना सुनियोजित होने की आशंका भी जताई जा रही है पुलिस अब CCTV फुटेज के आधार पर बिना नंबर प्लेट वाली कार और उसमें सवार युवकों की पहचान करने में जुटी है पुलिस का कहना है ।

रायपुर में रात 3 बजे से दौड़ती हैं रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां तवा नदी से कथित अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की शिकायत, सरपंच ने अधिकारियों को सौंपा पत्र

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में रेत के कथित अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं डोंगरवाड़ा खदान के बाद अब रायपुर क्षेत्र में तवा नदी से कथित तौर पर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की शिकायत सामने आई है ग्राम पंचायत रायपुर के सरपंच शशांक मिश्र ने विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, एसडीएम और देहात थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। सरपंच का आरोप है कि रायपुर गांव में रोजाना रात करीब 3 बजे से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही शुरू हो जाती है बड़ी संख्या में भारी वाहनों के रहवासी इलाके से गुजरने के कारण ग्रामीणों की नींद प्रभावित हो रही है वहीं स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर भी खतरा बना हुआ है ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के कारण गांव की सड़कें क्षतिग्रस्त होने की बात भी शिकायत में कही गई है ससस बिना रॉयल्टी रेत परिवहन का आरोपशिकायत में तवा नदी से कथित तौर पर बिना रॉयल्टी रेत निकालकर परिवहन किए जाने का आरोप लगाया गया है। सरपंच ने कहा कि इससे शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है उनका दावा है कि अवैध उत्खनन और परिवहन की जानकारी अधिकारियों को कई बार मौखिक रूप से दी गई, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई शशांक मिश्र ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बाद कभी-कभार एक-दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर कार्रवाई की जाती है, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में वाहन रात-दिन रेत लेकर क्षेत्र से गुजरते रहते हैं उन्होंने प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई कर अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने की मांग की है जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने कहा कि अवैध उत्खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उनके अनुसार पिछले 10 दिनों में रेत चोरी से जुड़े 8 मामले दर्ज कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है इधर, शिकायत के साथ कार्रवाई से पहले कथित रूप से रेत कारोबारियों तक सूचना पहुंचने के आरोप भी लगाए गए हैं सरपंच का कहना है।

पटवारी पर कार्रवाई:कोर्ट में शासन के खिलाफ बयान दिया था एसडीएम ने अतिरिक्त प्रभार वापस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पोहरी अनुविभाग में पटवारी राजेश वर्मा का हल्का नंबर 130 ग्राम कालामढ़ का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। पोहरी एसडीएम जेपी गुप्ता ने यह कार्रवाई शासन के खिलाफ बयान देने के आरोप में की है। अब इस हल्के का अतिरिक्त प्रभार पटवारी चेतन पचौरी को सौंपा गया है मामला ग्राम कालामढ़ की भूमि सर्वे नंबर 570 से जुड़ा है इस जमीन को लेकर आरसीएसए-34/2024 प्रकरण व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड पोहरी के न्यायालय में चल रहा था। एसडीएम के आदेश के अनुसार, इसी मामले में पटवारी राजेश वर्मा ने न्यायालय में शासन के विरोध में बयान दर्ज कराए थे।

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री करेंगे 47 विभूतियों का पदक अलंकरण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को लाल परेड मैदान, भोपाल में आयोजित होने वाले पदक अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पुलिस एवं होमगार्ड के अधिकारियों-कर्मचारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त पदकों से सम्मानित करेंगे समारोह में कुल 47 विभूतियों को पदक प्रदान किए जाएंगे मुख्यमंत्री इस अवसर पर दो सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक भी प्रदान करेंगे इसके अलावा पुलिस विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को राष्ट्रपति के 9 विशिष्ट सेवा पदक और 33 सराहनीय सेवा पदक दिए जाएंगे होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के लिए सराहनीय सेवा के 3 पदक भी प्रदान किए जाएंगे राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक पाने वालों में लोकायुक्त मध्यप्रदेश के महानिदेशक/अमनि योगेश देशमुख बीएसएफ नई दिल्ली के पुलिस महानिरीक्षक मकरन्द देऊस्कर उज्जैन जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राकेश गुप्ता, इंदौर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह सागर जोन के पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित होने वालों में गृह विभाग की कृष्णावेणी देशावतु, आरएपीटीसी इंदौर के धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया, छतरपुर के डीआईजी विजय कुमार खत्री, एसटीएफ जबलपुर के पुलिस अधीक्षक एलरिज विनसेन्ट सिंह, साइबर मुख्यालय भोपाल के पुलिस अधीक्षक रूपेश कुमार द्विवेदी सहित विभिन्न जिलों एवं इकाइयों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं।

नर्मदापुरम में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

शहीद गैलरी से सेठानी घाट तक निकली यात्रा, जनप्रतिनिधियों अधिकारियों और हजारों नागरिकों ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को नर्मदापुरम में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत जिला स्तरीय भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। सुबह करीब 11 बजे शहीद गैलरी एसएनजी विद्यालय से शुरू हुई यात्रा में जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों विद्यार्थियों युवाओं समाजसेवियों सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों के बीच देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला यात्रा के दौरान भारतमाता की जय और वंदे मातरम' के नारों से शहर गूंजता रहा। एक तिरंगा-एक भारत-श्रेष्ठ भारत' और 'हर घर तिरंगा, हर दिल भारत का संदेश भी दिया गया तिरंगा यात्रा में नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत, सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साई कृष्णा एस थोटा, डीएफओ गौरव शर्मा और भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए। विद्यार्थी, युवा, समाजसेवी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य भी हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल रहे तिरंगा यात्रा शहीद गैलरी से शुरू होकर नेहरू पार्क, टेलीफोन चौराहा, कोठी बाजार, कलेक्ट्रेट, वन विभाग मोड़, एसपी बंगला, कलेक्टर बंगला, मालाखेड़ी, सेमेरिट्स स्कूल चौराहा, जेल, मीनाक्षी चौक, कॉलेज के सामने सतरस्ता अमर चौक, जयस्तंभ चौक और सराफा चौक होते हुए सेठानी घाट पहुंची यहां भारत माता की आरती, राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ यात्रा का समापन हुआ नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि तिरंगा भारत की शान है देश की आजादी और तिरंगे के लिए अनेक वीरों ने अपना बलिदान दिया ऐसे वीरों को याद करने, उन्हें नमन करने और नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से यह यात्रा आयोजित की गई भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि भारतवासी एक हैं और राष्ट्र उनके लिए सर्वोपरि है यात्रा के दौरान दादा गुरु कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साईं कृष्णा, तीनों विधायक, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला और नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी खुली जीप और जिप्सी में नजर आए अन्य प्रतिभागी बाइक और विभिन्न वाहनों से यात्रा में शामिल हुए तिरंगा यात्रा में यातायात नियमों को लेकर कुछ लापरवाही भी सामने आई कलेक्टर ने बाइक से शामिल होने वाले नागरिकों से हेलमेट पहनकर आने की अपील की थी यात्रा में सबसे आगे चल रहे पुलिसकर्मी हेलमेट पहने नजर आए लेकिन कई सामाजिक संगठनों, सरकारी कर्मचारियों और आम नागरिकों ने बिना हेलमेट बाइक चलाई इसके बावजूद पूरी यात्रा उत्साह और देशभक्ति के माहौल में संपन्न हुई नागरिकों ने तिरंगा लहराते हुए स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने का संदेश दिया।

रतलाम में सराफा व्यापारी ने होटल में किया सुसाइड

कमरे से 4 खाली पाउच और उल्टी से भीगा मिला कागज, सुखाने के बाद पुलिस करेगी जांच

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम शहर के सराफा व्यापारी रवि मोठिया (46) की होटल के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार शाम घर से निकले व्यापारी का शव देर रात रतलाम से करीब 12 किलोमीटर दूर सैलाना रोड स्थित प्रेम वाटिका होटल के एक कमरे से बरामद हुआ। पुलिस को मौके से सल्फास के चार खाली पाउच मिले हैं।

शुरुआती जांच में सल्फास खाने से मौत की आशंका जताई जा रही है। कमरे से एक कागज भी मिला है, जिस पर कुछ लिखा हुआ बताया जा रहा है, लेकिन वह उल्टी के कारण गीला और खराब हो गया है। पुलिस उसे सुरक्षित कर जांच के बाद ही उसकी सामग्री स्पष्ट कर सकेगी।

शाम को घर से निकले थे व्यापारी: जानकारी के अनुसार रवि मोठिया मंगलवार शाम को घर से निकले थे। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटे तो परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान सैलाना रोड स्थित प्रेम वाटिका होटल के बाहर उनकी कार खड़ी होने की जानकारी परिजनों को मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

होटल का कमरा अंदर से था बंद: सूचना मिलने के बाद सैलाना थाना पुलिस होटल पहुंची। जांच के दौरान एक कमरा अंदर से बंद मिला।

पुलिस ने होटल प्रबंधन की मदद से कमरे को खुलवाया। अंदर रवि मोठिया बेसुध हालत में मिले। उनकी स्थिति को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम को भी बुलाया और मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को देर रात रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

कमरे में मिले सल्फास के चार खाली पाउच: पुलिस को होटल के कमरे की तलाशी के दौरान सल्फास के चार खाली पाउच मिले हैं। प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि व्यापारी ने सल्फास को पानी में मिलाकर उसका सेवन किया होगा। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह और घटनाक्रम को लेकर पुलिस अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

● कमरे में उल्टी के निशान, बेड भी खराब मिला

पुलिस के कमरे में पहुंचने पर वहां उल्टी के निशान मिले। बताया जा रहा है कि कमरे में काफी मात्रा में उल्टी हुई थी और बेड भी इससे गंदा मिला। पुलिस ने कमरे की स्थिति और वहां मौजूद सामान को जांच का हिस्सा बनाया है। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए एफएसएल टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं।

● एक कागज मिला, लेकिन अभी नहीं खुला राज

कमरे से पुलिस को एक कागज भी मिला है, जिस पर कुछ लिखा हुआ बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार यह कागज उल्टी के कारण गीला और खराब हो गया है। पुलिस ने उसे जब्ती में ले लिया है। अब कागज को सुरक्षित तरीके से सुखाने के बाद उस पर लिखी सामग्री पढ़ने का प्रयास किया जाएगा। यदि यह सुसाइड नोट या घटना से संबंधित कोई जानकारी हुई तो इससे व्यापारी की मौत की वजह सामने आने में मदद मिल सकती है।

● आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं

रवि मोठिया की मौत के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। परिजनों ने भी घटना के संबंध में कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। व्यापारी के परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो बेटियां हैं। वह महावीर ज्वेलर्स नाम से ज्वेलरी का कारोबार करते थे। घटना के बाद परिवार सदमे में है और फिलहाल परिजन बातचीत करने की स्थिति में नहीं हैं।

● होटल में कब पहुंचे, पुलिस जुटा रही जानकारी

सैलाना थाना पुलिस अब व्यापारी के घर से निकलने से लेकर होटल पहुंचने तक की पूरी जानकारी जुटा रही है। पुलिस होटल प्रबंधन से यह पता करेगी कि रवि मोठिया होटल में कब पहुंचे, किस समय कमरा लिया और उनके कमरे में आने-जाने वाला कोई व्यक्ति था या नहीं। इसके अलावा होटल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की भी जांच की जा सकती है।

● पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की

सैलाना थाना प्रभारी पिंकी आकाश के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस परिजनों और होटल प्रबंधन से जानकारी जुटाएगी। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले सभी साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

ट्रक की डिक्की में घुसी नागिन, हेल्पर बैठा था ऊपर

पाना-पेंचकस निकाली खोली डिक्की तो दिखी पूंछ, स्नेक कैचर ने रेस्क्यू कर पकड़ी

सागर, (निप्र)। सागर में खुरई रोड पर एक ट्रक से नागिन पकड़ाई है। नागिन ट्रक की डिक्की में थी। जिसके ऊपर हेल्पर बैठा हुआ था। उसने पाना-पेंचकस निकालने डिक्की खोली तो सांप नजर आया। वह ड्राइवर के साथ ट्रक से नीचे उतरा और स्नेक कैचर को सूचना दी। स्नेक कैचर ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया और सांप को पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, भोपाल रोड पर सामान से लोड ट्रक खड़ा था। बुधवार को ट्रक भैंसा स्थित वेयर हाउस में पहुंचा। ट्रक में ड्राइवर और हेल्पर सवार थे। वेयर हाउस में ट्रक खड़ाकर हेल्पर डिक्की से पाना-पेंचकस निकालने के लिए पहुंचा। डिक्की खोलते ही उसे सांप की पूंछ दिखी। जिससे वह घबरा गया और तुरंत ट्रक से नीचे आ गया। ड्राइवर को गाड़ी से नीचे उतारा।

कोबरा प्रजाति की ढाई लंबी थी नागिन: स्नेक कैचर अकील बाबा ने बताया कि ऋषभ जैन ने सूचना दी थी कि भैंस वेयर हाउस में खड़े ट्रक में सांप है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचा। जहां देखा कि ट्रक की डिक्की में सांप है। जिसका रेस्क्यू शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद सांप को पकड़ लिया। रेस्क्यू में पकड़ाया सांप कोबरा प्रजाति की नागिन है।

हरदा में 25 वर्षीय युवक ने जहर खाकर सुसाइड किया, कुछ दिन पहले पत्नी से झगड़ा हुआ था, अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

हरदा, (निप्र)। हरदा के छीपाबड़ थाना क्षेत्र के बमनगांव में एक युवक ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। युवक की पहचान ओमप्रकाश (25) के रूप में हुई है। वह मजदूरी करता था। बुधवार सुबह ओमप्रकाश ने जहर खा लिया। उसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां दोपहर करीब 12 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले ओमप्रकाश का पत्नी से घरेलू बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उसकी पत्नी दो साल के बेटे और दो महीने की बेटी के साथ करीब आठ दिन पहले मायके चली गई थी।

रतलाम में निकली तिरंगा वाहन रैली

देश भक्ति गीतों के साथ हाथों में तिरंगा थामे निकले, भारत माता की आरती कर लगाए जयकारे

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा बुधवार दोपहर शहर में तिरंगा वाहन रैली निकाली। रैली में वाहनों पर सवार कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा थामे भारत मां के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए।

रैली सुबह 11 बजे महलवाड़ा से शुरू होने वाली थी. लेकिन दो घंटे लेट देरी से दोपहर 1 बजे शुरू हो पाई। रैली में सबसे आगे डीजे पर देश भक्ति के गीत बज रहे थे। इनके पीछे मातृ शक्तियां केसरिया साफा बांधे हाथों में तिरंगा लेकर वाहनों पर सवार थी। इनके पीछे युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, प्रदेश महामंत्री विप्लव जैन हेलमेट पहने बुलेट लेकर शामिल हुए।

जिलाध्यक्ष अनुकूल सोनी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, महापौर प्रहलाद पटेल, जिला महामंत्री कृष्णा डिंडौर, उपाध्यक्ष गौरव मूणत समेत सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लहराते हुए शामिल हुए।

इन मार्गों से निकली रैली: रैली महलवाड़ा से पैलेस रोड, डालूमोदी बाजार, माणकचौक, घांस बाजार, चौमुखी पुल, चांदनीचौक, हरदेवलाला पिपली, गणेश देवरी, धानमंडी, शहर सराय, सैलाना बस स्टैंड ओव्हरब्रिज, राम मंदिर होते हुए अलकापुरी स्थित भारत माता गार्डन में भारत माता की आरती के साथ समापन हुई।

खरगोन में 24 घंटे में 8 इंच बारिश: अपरवेदा बांध का तीसरा गेट खोला

24 गांवों में अलर्ट, निचले इलाकों में प्रशासन की निगरानी बढ़ी

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में मौसम विभाग के अलर्ट के बीच जिले में भारी बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में जिले में औसतन करीब 8 इंच बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण कुंदा और वेदा नदियां उफान पर हैं। वहीं, जलस्तर बढ़ने के बाद अपरवेदा बांध का तीसरा गेट एक मीटर तक खोलना पड़ा। इसके बाद निचले क्षेत्र के 24 गांवों में अलर्ट जारी किया गया है।

शहर में सड़कों पर भरा डेढ़ फीट तक पानी: रातभर हुई तेज बारिश के कारण खरगोन शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। सराफा बाजार, सनावद रोड और खंडवा रोड पर करीब एक से डेढ़ फीट तक पानी जमा हो गया। बैंक कॉलोनी के कुछ घरों में भी पानी घुस गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार बारिश के चलते शहर के निचले इलाकों में प्रशासन की निगरानी बढ़ा दी गई है।

अपरवेदा बांध का तीसरा गेट खोला: पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश होने से कुंदा और वेदा नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा। इसके चलते अपरवेदा बांध का तीसरा गेट रात में करीब एक मीटर तक खोला गया। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद निचले हिस्से में आने वाले 24 गांवों को अलर्ट पर रखा गया है। कोटवारों और पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है।

गोगांवा में सबसे ज्यादा 8.7 इंच बारिश: पिछले 24 घंटे में जिले में सबसे ज्यादा बारिश गोगांवा में 8.7 इंच दर्ज की गई। इसके अलावा खरगोन में 8 इंच, भीकनगांव और झिरन्या में 7.3 इंच, सेगांव और कसरावद में 3.9 इंच, भगवानपुरा में 3.8 इंच, महेश्वर में 3 इंच तथा बड़वाह और सनावद में 1-1 इंच बारिश रिकॉर्ड हुई।

बारिश के बीच कम संख्या में स्कूल पहुंचे बच्चे: बुधवार को जिले में भारी बारिश के बावजूद स्कूलों की छुट्टी घोषित नहीं होने के कारण सुबह कम संख्या में बच्चे स्कूल पहुंचे। जिला शिक्षा अधिकारी तेजसिंह राठौर ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों से नदियों, नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की गई है। लगातार बारिश को देखते हुए निचले इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

छतरपुर में 33 पेटी अवैध शराब जब्त

बोलेरो का पीछा कर हमा गांव में पुलिस ने पकड़ा, वाहन समेत 6 लाख का माल बरामद

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में कोतवाली थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। रात में पेट्रोलिंग के दौरान ग्राम हमा से 33 पेटी अवैध शराब जब्त की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा करीब 306 लीटर है, जिसमें अंग्रेजी, देशी शराब और बीयर शामिल है। पुलिस ने शराब के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही एक बोलेरो गाड़ी भी जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 6 लाख रुपये आंकी गई है।

संदिग्ध बोलेरो का पीछा कर पकड़ा: पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई रात में महोबा रोड क्षेत्र में गश्त के दौरान हुई। महोबा

रोड ब्रिज के पास पुलिस टीम ने एक संदिग्ध बोलेरो वाहन को लिंक रोड से महोबा की ओर जाते देखा। संदेह होने पर पुलिस ने वाहन का पीछा करना शुरू किया।

तलाशी में मिली 33 पेटी शराब: ग्राम हमा के पास पुलिस ने बोलेरो को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन के अंदर से 33 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब और बोलेरो वाहन को तत्काल जब्त कर लिया। हालांकि, वाहन में सवार आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे।

फरार आरोपियों की तलाश जारी: पुलिस ने फरार आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। यह कार्रवाई कोतवाली थाना प्रभारी सतीश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की।

सीहोर में बदला मौसम का मिजाज: 12 अगस्त को 0.58 इंच औसत बारिश

भैरूंदा में सबसे ज्यादा 1.61 इंच; अगले 2-3 दिन तेज बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में बुधवार 12 अगस्त को सुबह से मौसम का मिजाज बदला रहा। जिले के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। भू-अभिलेख विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जिले में 0.58 इंच औसत बारिश रिकॉर्ड हुई। सबसे ज्यादा बारिश भैरूंदा क्षेत्र में दर्ज की गई, जहां 1.61 इंच पानी बरसा। मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटे के दौरान भी गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई है।

भैरूंदा में सबसे ज्यादा 1.61 इंच बारिश: 12 अगस्त को हुई बारिश के तहसीलवार आंकड़ों में भैरूंदा सबसे आगे रहा। यहां 1.61 इंच बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा जिला मुख्यालय सीहोर में 1 इंच, जबकि रेहटी में 0.87 इंच बारिश रिकॉर्ड हुई। अन्य क्षेत्रों में आष्टा और इछावर में 0.35-

0.35 इंच, जावर में 0.31 इंच, बुधनी में 0.12 इंच और श्यामपुर में 0.04 इंच बारिश दर्ज की गई।

मानसून सीजन में अब तक 25.55 इंच बारिश: 1 जून से शुरू हुए मानसून सीजन में अब तक जिले में कुल औसत बारिश 25.55 इंच तक पहुंच गई है। क्षेत्रवार आंकड़ों की बात करें तो रेहटी में अब तक सबसे ज्यादा 28.76 इंच बारिश दर्ज की गई है। वहीं सीहोर शहर में मानसून सीजन के दौरान 27.85 इंच बारिश हो चुकी है।

कम दबाव के क्षेत्र और मानसून ट्रफ का असर: मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इसके साथ ही मानसून ट्रफ लाइन भी प्रदेश के मध्य हिस्सों से होकर गुजर रही है। बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने के कारण सीहोर और आसपास के जिलों में बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इसी सिस्टम के प्रभाव से जिले में बादल छाने और रुक-रुककर बारिश का दौर बना हुआ है।

अगले 24 से 48 घंटे बारिश के लिहाज से अहम: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले 24 से 48 घंटों के दौरान सीहोर जिले में बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है।

रायसेन में मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर

बेतवा के छोटे पुलों पर आया पानी, तेडिया पुल क्षतिग्रस्त, 24 घंटे में 94.6 मिमी बारिश

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में रविवार-सोमवार की रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद नदी-नाले उफान पर आ गए। तेज बारिश के कारण सांची रोड पर पगनेश्वर बेतवा नदी और भोपाल रोड पर जाखा की बेतवा नदी का जलस्तर बढ़ गया। दोनों स्थानों पर छोटे पुलों के ऊपर पानी आ गया। बारिश के कारण जिले में कई सड़कें और छोटी पुलिया भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। वहीं, रायसेन-भोपाल रोड पर बेतवा ढाबे के पास स्थित तेडिया पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, इससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

सांची और भोपाल रोड पर पुलों पर आया पानी: रविवार-सोमवार की रात हुई तेज बारिश के बाद बेतवा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा। सांची रोड पर पगनेश्वर बेतवा नदी और भोपाल रोड पर जाखा की बेतवा नदी में पानी बढ़ने से छोटे पुलों पर पानी पहुंच गया। जलस्तर बढ़ने के कारण इन मार्गों पर आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बनी रही। प्रशासन द्वारा लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है।

तेडिया पुल क्षतिग्रस्त, बड़ा हादसा टला: लगातार हुई तेज बारिश का असर रायसेन-भोपाल मार्ग पर भी दिखाई दिया। बेतवा

ढाबे के पास तेडिया पुल बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। पुल के क्षतिग्रस्त होने से यहां हादसे का खतरा बढ़ गया है। हालांकि, समय रहते इसकी जानकारी सामने आने से बड़ा हादसा टल गया। संबंधित विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त हिस्सों का निरीक्षण किया जा रहा है।

किस तहसील में कितनी बारिश हुई: 1 जून से 10 अगस्त तक तहसीलवार बारिश के आंकड़े इस प्रकार हैं रायसेन: 518.6 मिमी (20.42 इंच) गैरतगंज: 702 मिमी (27.64 इंच) बेगमगंज: 751.2 मिमी (29.57 इंच) सिलवानी: 461.4 मिमी (18.17 इंच) गौहरगंज: 578.3 मिमी (22.77 इंच) बरेली: 476.4 मिमी (18.76 इंच) उदयपुरा: 786 मिमी (30.94 इंच) बाड़ी: 603.5 मिमी (23.76 इंच) सुल्तानपुर: 676.5 मिमी (26.63 इंच) देवरी: 579.5 मिमी (22.81 इंच) उदयपुरा में सबसे ज्यादा, सिलवानी में सबसे कम बारिश बारिश के आंकड़ों के मुताबिक उदयपुरा तहसील में सबसे ज्यादा 786 मिलीमीटर यानी 30.94 इंच बारिश दर्ज की गई है। वहीं, सिलवानी में सबसे कम 461.4 मिलीमीटर यानी 18.17 इंच बारिश रिकॉर्ड हुई है। बेगमगंज में 29.57 इंच और गैरतगंज में 27.64 इंच बारिश दर्ज की गई है। सुल्तानपुर में 26.63 इंच, बाड़ी में 23.76 इंच और देवरी में 22.81 इंच बारिश हुई है।

कई सड़कें और छोटी पुलिया भी क्षतिग्रस्त

भारी बारिश के कारण जिले के कई हिस्सों में सड़कें और छोटी पुलिया क्षतिग्रस्त हुई हैं। कई स्थानों पर बारिश का पानी खेतों में भी फैल गया। लगातार बारिश के कारण ग्रामीण और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी।

प्रशासन ने शुरू किया जायजा

बारिश से हुए नुकसान के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमें क्षतिग्रस्त मार्गों, पुलों और पुलियाओं का जायजा ले रही हैं। अधिकारियों द्वारा उन स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है जहां बारिश के कारण आवागमन प्रभावित हुआ है। जरूरत के अनुसार सुरक्षा और मरम्मत से जुड़े कदम उठाए जाएंगे।

24 घंटे में 94.6 मिमी औसत बारिश

जिले में 1 जून से 10 अगस्त तक औसत 613.34 मिलीमीटर यानी 24.15 इंच वर्षा दर्ज की गई है। वहीं, बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 94.6 मिलीमीटर यानी 3.72 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई।

● बारिश से बढ़ी नदी-नालों की रफ्तार

जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ा है। बेतवा नदी के कई हिस्सों में पानी बढ़ने से छोटे पुलों पर पानी पहुंचा है। वहीं, सड़क और पुल-पुलियाओं के क्षतिग्रस्त होने के बाद प्रशासन के सामने आवागमन को सुरक्षित बनाए रखने की चुनौती भी बढ़ गई है। फिलहाल संबंधित विभाग नुकसान का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटे हैं।

नर्मदापुरम में जुआरियों पर पुलिस की दबिश से मची भगदड़

तीसरी मंजिल से ताश के पैकेट में रखे रुपए फेंके, 9 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर नर्मदापुर, (निप्र)। नर्मदापुरम शहर के कालिकानगर स्थित हिंगलाज कॉलोनी में जुए के अड्डे पर कोतवाली पुलिस की दबिश के दौरान जुआरियों में भगदड़ मच गई। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने तीसरी मंजिल से ताश के पैकेट में रखी नगदी खाली प्लॉट और नाले में फेंक दी। इसके बाद कुछ आरोपी बाजू के मकान से बने गोपनीय रास्ते से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने दोनों मकानों की घेराबंदी कर मुख्य आरोपी गोलू जाटव समेत कुल 9 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस को देखते ही तीसरी मंजिल से फेंकने लगे रुपए: पुलिस की टीम जब जुआरियों के ठिकाने पर पहुंची तो वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस को देखकर आरोपियों ने जुए में इस्तेमाल हो रही नगदी को बचाने के लिए उसे ताश के पैकेट में रखा और तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। नगदी खाली प्लॉट और पास के नाले में जा गिरी। पुलिस ने बाद में इन स्थानों पर तलाशी अभियान चलाकर रुपए बरामद करने का प्रयास किया।

गोपनीय रास्ते से भागने की कोशिश: पुलिस की घेराबंदी देखकर जुआरियों ने मुख्य रास्ते से निकलने के बजाय बाजू के मकान से जुड़े टीनशेड और सीढ़ियों वाले गोपनीय रास्ते का इस्तेमाल किया। पुलिस ने इस बार पहले से रणनीति बनाकर दोनों मकानों को घेर लिया था। आरोपी दूसरे मकान में जाकर छिप गए और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। दरवाजा खुलवाने के लिए पुलिस टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में आरोपियों ने ही दरवाजा खोला और पुलिस ने एक-एक कर सभी को हिरासत में ले लिया।

दो मकानों से पकड़े गए 9 जुआरी: तलाशी के दौरान पहले मकान से चार जुआरी मिले। इसके बाद

पुलिस ने दोनों मकानों में छिपे अन्य आरोपियों की तलाश शुरू की। तलाशी के दौरान कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया।

पुलिस वाहन खराब हुआ तो पैदल ले गए आरोपी: गिरफ्तारी के बाद जुआरियों को पुलिस वाहन से कोतवाली थाने ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में पुलिस वाहन खराब हो गया। इसके बाद पुलिसकर्मी आरोपियों को पैदल ही थाने लेकर पहुंचे।इस दौरान दो आरोपी पुलिस अभिरक्षा में हंसते हुए नजर आए। पुलिसकर्मियों की घेराबंदी के बावजूद आरोपियों के चेहरे पर किसी तरह की घबराहट या अफसोस दिखाई नहीं दिया।

रात में नाले और खाली प्लॉट में तलाशे रुपए: तीसरी मंजिल से फेंकी गई नगदी की तलाश के लिए पुलिस टीम ने रात तक अभियान चलाया। पुलिसकर्मी करीब रात 10:30 बजे तक टॉर्च लेकर नाले और खाली प्लॉट में रुपए तलाशते रहे। इस दौरान कुछ नगदी बरामद होने की जानकारी है। हालांकि, देर रात तक बरामद रकम की पूरी गिनती नहीं हो सकी थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने कुल कितनी नगदी जुए में लगा रखी थी और कार्रवाई के दौरान कितनी रकम फेंकी गई।

रहाणे श्रीलंका दौरे से नए अध्याय की शुरुआत करेंगे

टेस्ट कमेंट्री में होगा पूर्व क्रिकेटर का डेब्यू

मुंबई एजेंसी। : अजिंक्य रहाणे अब क्रीज छोड़कर कमेंट्री बॉक्स में नजर आएंगे। भारत के पूर्व कप्तान श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान अपने क्रिकेट करियर के अगले अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। 15 अगस्त से शुरू हो रहे भारत के श्रीलंका दौरे के साथ ही वे टेस्ट कमेंट्री में अपना डेब्यू करेंगे।

यह कदम रहाणे के लगभग 18 साल लंबे फर्स्ट-क्लास करियर के खत्म होने के कुछ समय बाद उठाया गया है। टेस्ट क्रिकेट के चुनौतीपूर्ण माहौल में लंबा समय बिताने के बाद 37 वर्षीय रहाणे अब बाउंड्री के दूसरी तरफ से अपना नजरिया पेश करेंगे। वे उन रणनीतिक फैसलों और अहम पलों का विश्लेषण करेंगे जो पांच दिन के इस मुकाबले को आकार देते हैं।

रहाणे का टेस्ट रिकॉर्ड शानदार रहा है। भारत के लिए खेले गए 85 मैचों में उन्होंने 5077 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने और टॉप लेवल पर दबाव संभालने का उनका अनुभव ब्रॉडकास्ट में एक 'इनसाइडर' (अंदरूनी) नजरिया लाएगा। रहाणे ने कहा कि इस बदलाव से उन्हें इस फॉर्मेट को बिल्कुल अलग नजरिए से देखने का मौका मिलेगा।

उन्होंने कहा, 'मैं सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी स्ढ्ढङ्क पर भारत के श्रीलंका दौरे के लिए टेस्ट कमेंट्री में अपना डेब्यू करने को लेकर उत्साहित हूं। टेस्ट क्रिकेट हमारे खेल का सबसे बड़ा फॉर्मेट है और इतने सालों तक इस फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, अब खेल को एक अलग नजरिए से देखना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं अपने अनुभव साझा करने, खेल की बारीकियों को समझाने और फैंस को उन फैसलों, रणनीतियों और पलों के बारे में जानकारी देने के लिए उत्सुक हूं जो टेस्ट मैच का रुख बदल सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं फैंस के लिए ब्रॉडकास्ट के अनुभव को और बेहतर बना पाऊंगा और उन्हें मैदान पर होने वाली चीज़ों की गहरी समझ दे पाऊंगा।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के स्पोर्ट्स और इंटरनेशनल बिज़नेस के चीफ रेवेन्यू ऑफिसर और बिजनेस हेड, राजेश कौल ने कहा, अजिंक्य रहाणे हमेशा से अपने शांत स्वभाव, मुश्किल हालात में डटे रहने की क्षमता और खेल की गहरी समझ के लिए जाने जाते रहे हैं।

जब वे सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी LIV पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करेंगे, तो दर्शकों को उस फॉर्मेट के बारे में उनका नजरिया सुनने को मिलेगा जिसे वे बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हमें खुशी है कि वे भारत के श्रीलंका दौरे के लिए हमारे कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं और हम उस अनुभव और समझ का इंतजार कर रहे हैं जो वे हमारी कवरेज में लाएंगे।

चोट ने फिर बढ़ाई भारत की चिंता

श्रीलंका दौरे के दौरान इस खिलाड़ी की उपलधता पर उठे सवाल

नई दिल्ली एजेंसी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले भारत के लिए चोट की एक और चिंता सामने आ सकती है। मीडिया रिपोर्ट में ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की उपलब्धता पर सवाल उठाए गए हैं, जिन्हें दौरे के दूसरे टेस्ट के लिए ही चुना गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) और भारतीय टीम मैनेजमेंट सुंदर की हैमस्ट्रिंग चोट को लेकर सावधानी बरत रहे हैं। भारतीय टीम कई खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है और बेंगलुरु स्थित इस सुविधा केंद्र (CoE) की आलोचना भी हो रही है। सुंदर को कार्डिफ में दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी और तब से वह ष्टश्व में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। BCCI के एक सूत्र ने टीओआई को बताया, इस समय वॉशिंगटन के श्रीलंका जाने की संभावना बहुत कम है। टीम मैनेजमेंट से उसी हिसाब से योजना बनाने को कहा गया है। की मेडिकल टीम उन्हें टेस्ट मैच में उतारने को लेकर सतर्क है। ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं जिनमें खिलाड़ी चोट से उबरने के तुरंत बाद फिर से चोटिल हो गए हैं।' सूत्र ने आगे कहा, वॉशिंगटन को सिर्फ दूसरे टेस्ट के लिए चुना गया था, यह जानते हुए कि उनकी पूरी फिटनेस हासिल करना मुश्किल हो सकता है। पिछले महीने इंग्लैंड में चोट लगने के बाद से उन्होंने ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। उनके वर्कलोड को सावधानी से बढ़ाया जा रहा है।' रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर सुंदर बाहर होते हैं, तो चयनकर्ताओं द्वारा किसी रिप्लेसमेंट (विकल्प) के नाम की घोषणा करने की संभावना कम है। अगर वह टीम में शामिल होने के लिए काफी फिट होते हैं, तो यह ऑलराउंडर टीम का 16वां सदस्य बना रह सकता है, लेकिन मैनेजमेंट पहले यह देखेगा कि बिना किसी मैच प्रैक्टिस के उन्हें श्रीलंका भेजना सही रहेगा या नहीं। सूत्र ने कहा, अगर वॉशिंगटन टीम के साथ जुड़ते हैं तो वह 16वें सदस्य होंगे। यह देखना होगा कि बिना किसी गेम टाइम के उन्हें टेस्ट मैच के लिए भेजना सही रहेगा या नहीं। अगले हफ्ते पूरी जांच की जाएगी जिसमें यह भी देखा जाएगा कि श्रीलंका में टीम की स्थिति क्या है।

श्रीलंका ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा की

दो अहम बल्लेबाज बाहर

कोलंबो एजेंसी। : श्रीलंका के अहम बल्लेबाज कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका भारत के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। यह मैच 15 अगस्त से गाले में शुरू होगा। श्रीलंका क्रिकेट ने बुधवार को ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा की कप्तानी में 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

मेंडिस को 19 जुलाई को कोलंबो के स्स्ष्ट ग्राउंड पर लंका प्रीमियर लीग मैच के दौरान कैंडी रॉयल्स के खिलाफ कोलंबो कैप्स के लिए रन लेते समय दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी और वह नेशनल हाई परफॉर्मेंस सेंटर में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वहीं निसांका पिछले महीने लंदन में हुई कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। इन दोनों के उपलब्ध न होने पर, चयनकर्ताओं ने अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को वापस बुलाया है जिन्होंने आखिरी बार 2023 में टेस्ट मैच खेला था। बाएं हाथ के बल्लेबाज डिकवेला के 54 टेस्ट खेलने के अनुभव के कारण उन्हें अंजला बंदारा पर प्राथमिकता दी गई है; बंदारा ने कोलंबो के ह्लष्टष्ट ग्राउंड पर भारत के खिलाफ वार्म-अप मैच में हिस्सा लिया था। ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर केशरा नुवान्था, जिन्होंने वार्म-अप मैच में तीन विकेट लिए थे, को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है, जबकि कसुन रजिता और इसिथा विजेसुंदरा को टीम से बाहर कर दिया गया है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज निशान मदुष्का ने भारत के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच में 66 और नाबाद 63 रन बनाकर अपनी जगह बनाए रखी है। मुख्य बल्लेबाजी यूनिट में डी सिल्वा, उप-कप्तान कामिंदु मेंडिस, दिनेश चांदीमल, लाहिरू उदारा, पासिंदु सूरियाबंदारा और सोनल दिनुशा शामिल हैं। स्पिन विभाग की कमान प्रभात जयसूर्या संभालेंगे, साथ ही रमेश मेंडिस और नुवान्था भी होंगे; डी सिल्वा और मेंडिस पार्ट-टाइम विकल्प के तौर पर मौजूद रहेंगे। तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई असिथा फर्नांडो करेंगे, साथ ही लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो, मिलन रत्नायके और दिलशान मदुशंका भी होंगे। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंका टीम : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कामिंदु मेंडिस (उप-कप्तान), लाहिरू उदारा, निशान मदुश्का, दिनेश चंडीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशरा नुवांथा, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका।

वेस्टइंडीज पर जीत से मिला फायदा

बाबर आजम दो साल बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में टॉप 10 में लौटे

नई दिल्ली एजेंसी। : पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम दो साल बाद ICC पुरुषों की टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में टॉप 10 में लौट आए हैं। पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान की 8 विकेट से जीत के बाद यह बदलाव हुआ जिससे दो मैचों की ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज ड्रॉ हो गई। 31 साल के बाबर ने 88 और नाबाद 24 रन बनाए जिससे वे रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए। ICC की मीडिया रिलीज के अनुसार वे लगातार पांच साल तक टॉप 10 में रहने के बाद सितंबर 2024 में इससे बाहर हो गए थे। बाबर ने दिसंबर 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंकिंग हासिल की थी। अब्दुल्ला शफीक, जिन्हें नाबाद 160 और 24 रन की पारियों के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था, 25 स्थान ऊपर चढ़कर 32वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने मार्नस लाबुशेन, केएल राहुल और अपने साथी खिलाड़ियों सलमान आगा और शान मसूद जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। वेस्टइंडीज के ब्रैंडन किंग भी बल्लेबाजों की सूची में ऊपर चढ़े हैं, वे 73वें से संयुक्त रूप से 69वें स्थान पर आ गए हैं, जबकि पीठ की चोट के कारण वे दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे। उन्होंने पहली पारी में 50 गेंदों पर 46 रन बनाए थे। ICC की मीडिया रिलीज के अनुसार गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ मैच में तीन विकेट लेने के बाद एक स्थान ऊपर चढ़कर 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के ऑफ-स्पिनर साजिद खान (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 30वें), नई गेंद के गेंदबाज मोहम्मद अली (आठ स्थान ऊपर चढ़कर 85वें) और बाएं हाथ के स्पिनर अली उस्मान (58 स्थान ऊपर चढ़कर 97वें) भी रैंकिंग में ऊपर आए हैं। ICC पुरुषों की वनडे बैटिंग रैंकिंग में अफगानिस्तान के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच में 32 और 71 रन बनाने के बाद तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डंडी में ICC पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के बाद ओमान के हम्माद मिर्जा (दो स्थान ऊपर चढ़कर 85वें नंबर पर) और ·श्व के राहुल चोपड़ा (37 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 97वें नंबर पर) की रैंकिंग में सुधार हुआ है। आयरलैंड के तेज गेंदबाज मार्क अडायर अफगानिस्तान के खिलाफ दो मैचों में दो-दो विकेट लेकर 17वें स्थान पर वापस आ गए हैं।

विश्व कप के बाद सफलता की भूख बढ़ी, चैंपियंस ट्रॉफी खास होगी: जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के धाकड़ बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का मानना ??है कि टीम की वनडे विश्व कप 2025 में जीत ने सफलता की भूख को और बढ़ा दिया है। जेमिमा पहले महिला चैंपियंस ट्रॉफी में भी खिताबी जीत को दोहराने के लिए उत्सुक हैं। रोड्रिग्स ने जियोस्टार पर कहा, 'हमने एक बार सफलता का स्वाद चखा है। हम जानते हैं कि टॉप पर होना कैसा लगता है। आप जितना ज्यादा इसका स्वाद चखते हैं, उतना ही ज्यादा आप वहां पहुंचना चाहते हैं। हमारी टीम इसके लिए काम कर रही है। चैंपियंस ट्रॉफी बहुत खास होने वाली है। यह महिला क्रिकेट में पहली बार हो रहा है। मैं भी पहली बार इसका हिस्सा बनूंगी। इसलिए यह बहुत खास होगा। मैं सच में इसका इंतजार कर रही हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मानसिकता के हिसाब से, कुछ भी नहीं बदलता है। यह टीम के बारे में है और टीम हमेशा जीत के बारे में सोचती है। ड्डचैंपियंस ट्रॉफी पर अपना पूरा फोकस करने से पहले, भारतीय टीम को दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलनी है। सीरीज में 1 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाने हैं।

मिचेल मार्श ने द हंड्रेड में रचा इतिहास

खास रिकॉर्ड बनाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

इंग्लैंड एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने द हंड्रेड 2026 में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया है।

सनराइजर्स लीड्स के लिए खेलते हुए मार्श ने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के खिलाफ 23 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली, जिसके साथ ही उनके इस सीजन में 400 रन पूरे हो गए। वह टूर्नामेंट के इतिहास में एक सीजन में यह आंकड़ा छूने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं।

कई टी20 लीग में चला मार्श का बल्ला

मिशेल मार्श के लिए 2026 का साल टी20 क्रिकेट में बेहद शानदार रहा है। उन्होंने साल की शुरुआत पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ बिग बैश लीग में की और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद वह आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेले और फिर द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स का हिस्सा बने। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी मार्श ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे। हालांकि, 2026 टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया सुपर-8 चरण से पहले ही बाहर हो गया, जबकि आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा और टीम अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही।

2026 में मार्श का धमाकेदार प्रदर्शन

द हंड्रेड में 400 रन पूरे करने के साथ मार्श ने यह साबित कर दिया है कि इस साल टी20 क्रिकेट में उनका बल्ला लगातार आग उगल रहा है। विदेशी खिलाड़ी के तौर पर 400 रन का आंकड़ा पार करना और एक कैलेंडर ईयर में 94 छक्कों के ऑस्ट्रेलियाई रिकॉर्ड की बराबरी करना उनके शानदार फॉर्म को दर्शाता है।

मार्श ने रचा बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली एजेंसी। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में मार्श ने अपनी पारी के दौरान 5 चौके और 1 छक्का लगाया। इस पारी के बाद उनके नाम द हंड्रेड 2026 में कुल 406 रन हो गए। इसके साथ ही वह पुरुषों के द हंड्रेड में एक सीजन में 400 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। मार्श से पहले यह कारनामा इंग्लैंड के जेम्स विंस ने किया था। विंस ने 2024 सीजन में सदर्न ब्रेव के लिए 10 मैचों में 424 रन बनाए थे। इस तरह मार्श अब इस खास सूची में विंस के बाद दूसरे स्थान पर हैं और 400 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी हैं। एक छक्के ने भी बनाया खास रिकॉर्ड मार्श ने अपनी 32 रन की पारी के दौरान नूर अहमद की गेंद पर एक शानदार छक्का लगाया। यह छक्का उनके लिए एक और बड़ी उपलब्धि लेकर आया। इस छक्के के साथ 2026 में उनके नाम टी20 क्रिकेट में कुल 94 छक्के हो गए। 94 छक्कों के साथ मार्श ने एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा टी20 छक्के लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उनसे पहले टिम डेविड ने 2025 में 56 मैचों में 94 छक्के लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया था। मार्श ने यह आंकड़ा सिर्फ 36 मैचों में हासिल किया है।

जसप्रीत बुमराह की चोटों ने बढ़ाई चिंता

भविष्य में टेस्ट-वनडे में सीमित हो सकता है खेलना

नई दिल्ली एजेंसी।: जसप्रीत बुमराह की लगातार चोटों ने भारतीय क्रिकेट में उनकी उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ा दी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर होने के बाद अब रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि BCCI और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) लंबे प्रारूप में बुमराह के बिना भविष्य की तैयारी पर विचार कर रहे हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप के बाद बुमराह की भूमिका को मुख्य रूप से टी20 क्रिकेट तक सीमित किए जाने की संभावना भी जताई गई है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर हैं बुमराह

बुमराह इस समय घुटने की चोट से उबर रहे हैं और बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद वह लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से भी बाहर रहे। उनकी फिटनेस को लेकर अभी वापसी की कोई निश्चित तारीख सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ष्टश्व में बुमराह की गेंदबाजी का वर्कलोड धीरे-धीरे बढ़ाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन लंबे समय तक रेड-बॉल गेंदबाजी से दूर रहने के कारण श्रीलंका टेस्ट सीरीज तक उनकी वापसी को जल्दबाजी वाला कदम माना गया।

'भारतीय क्रिकेट को बुमराह के बिना जीवन के लिए तैयार होना पड़ सकता है'

TOI की रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि बुमराह को लेकर ष्टश्व बेहद सावधानी बरत रहा है और उनकी वापसी की कोई समयसीमा तय नहीं की गई है। 'ष्टश्व उनके मामले में काफी सावधानी बरत रहा है। उन्होंने उनकी वापसी की कोई समयसीमा नहीं दी है। वैसे भी भारतीय क्रिकेट को अब बुमराह के बिना जीवन के लिए तैयार होना पड़ सकता है, खासकर अगले साल के बाद लंबे प्रारूपों में।

- **2027 वर्ल्ड कप के बाद बदल सकती है भूमिका–** बुमराह की फिटनेस को देखते हुए रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम को सीमित किया जा सकता है। ऐसे में टी20 क्रिकेट में उनकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल जारी रखते हुए टेस्ट और वनडे के लिए युवा तेज गेंदबाजों को तैयार करने की रणनीति अपनाई जा सकती है। बुमराह भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में सबसे अहम तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। इसलिए उनके कार्यभार को नियंत्रित करना और चोट से बचाना टीम मैनेजमेंट के लिए बड़ी प्राथमिकता बन गया है।
- **भारतीय टीम चोटों से परेशान–** बुमराह की चोट अकेली चिंता नहीं है। भारतीय टीम इस समय कई खिलाड़ियों की फिटनेस समस्याओं से जूझ रही है। साई सुदर्शन पैर के अंगूठे की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि वॉशिंगटन सुंदर क्वाड्रिसेप्स स्ट्रेन से जूझ रहे हैं। हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। ऐसे में लगातार बढ़ती चोटों ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की रिहैबिलिटेशन और फिटनेस व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। बुमराह की गैरमौजूदगी भारत के लिए खास तौर पर टेस्ट क्रिकेट में बड़ा झटका है, जहां उनकी गेंदबाजी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाती रही है।

अगर बुमराह की चोटों का सिलसिला जारी रहता है, तो भारतीय टीम मैनेजमेंट को टेस्ट और वनडे में उनके विकल्प तैयार करने पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

रामलला दर्शन के लिए राजनांदगांव से अयोध्या धाम रवाना हुई विशेष ट्रेन, श्रद्धालुओं में उत्साह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था और भावनाओं को सम्मान देते हुए संचालित रामलला दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं को प्रभु राम की पावन जन्मभूमि अयोध्या धाम से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इसी क्रम में आज राजनांदगांव से रामलला दर्शन विशेष ट्रेन श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर स्टेशन परिसर जय राम के जयघोष से गूंज उठा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में योजना के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ प्रदेश के श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थस्थलों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। विशेष ट्रेनों के माध्यम से समूह में तीर्थयात्रा की सुविधा मिलने से श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यात्रा अधिक सहज, व्यवस्थित और सुविधाजनक बन रही है।

50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन: रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु राम के दर्शन कर चुके हैं। यह उपलब्धि प्रदेशवासियों की रामलला के प्रति गहरी आस्था के साथ ही योजना की व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाती है। विशेष ट्रेनों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों के श्रद्धालुओं को एक साथ अयोध्या धाम की यात्रा का अवसर मिल रहा है। योजना के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए भी अयोध्या धाम की यात्रा सुलभ हुई है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए संबंधित विभागों एवं संस्थाओं द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे वे सहजता और श्रद्धाभाव के साथ अपनी तीर्थयात्रा पूरी कर सकें।

राजनांदगांव से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई विशेष ट्रेन: राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, श्रम कल्याण आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, महापौर राजनांदगांव मधुसूदन यादव, राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष मती पूर्णिमा साहू एवं अन्य जन प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर विशेष ट्रेन को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं को प्रभु राम की जन्मभूमि के दर्शन का अवसर उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण पहल है।

रामलला के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में उमंग: विशेष ट्रेन के रवाना होने के अवसर पर राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर उत्सव जैसा वातावरण रहा। बड़ी संख्या में परिजन अपने प्रियजनों को विदा करने स्टेशन पहुंचे। भजन-कीर्तन और जय राम के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने अयोध्या धाम की यात्रा शुरू की। अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं ने कहा कि प्रभु राम की जन्मभूमि पहुंचकर रामलला के दर्शन करना उनके लिए अत्यंत भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुभव होगा। उन्होंने इस यात्रा को सुलभ बनाने के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

दुर्ग स्टेशन पर तीर्थयात्रियों का आत्मीय स्वागत: अयोध्या धाम के लिए रवाना विशेष ट्रेन के दुर्ग स्टेशन पहुंचने पर भी तीर्थयात्रियों का आत्मीय एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। यहां दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष मती सरस्वती बंजारे, दुर्ग जनपद पंचायत की अध्यक्ष मती कुलेश्वरी देवांगन, जिला प्रशासन के अधिकारी, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं आईआरसीटीसी के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों से मुलाकात कर उन्हें यात्रा की शुभकामनाएं दीं तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। स्वागत के दौरान दुर्ग रेलवे स्टेशन पर भी जय राम के जयघोष से धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा। आस्था के साथ धार्मिक पर्यटन को भी मिल रहा विस्तार रामलला दर्शन योजना प्रदेश में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

शहादत को सलाम, हर घर तिरंगे के नाम : बीजापुर में गूंजा देशभक्ति का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत बीजापुर जिले में देशभक्ति से ओतप्रोत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय और सभी ब्लॉक मुख्यालयों में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। 'भारत माता की जय' और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित बीजापुर जिला लंबे समय तक माओवाद से प्रभावित रहा है। 31 मार्च 2026 को जिले के नक्सल मुक्त होने के बाद यह पहला स्वतंत्रता दिवस है, इसलिए इस बार का उत्सव जिले के लिए विशेष महत्व रखता है।देश की रक्षा के लिए जवानों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा जिले को नक्सलवाद से मुक्त कराने के दौरान शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम और अन्य अधिकारी उनके घर पहुंचे। अधिकारियों ने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात की, उन्हें तिरंगा भेंट किया और उनके साहस व बलिदान को नमन किया स अधिकारियों ने कहा कि देश की रक्षा के लिए जवानों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनका साहस और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

तिरंगा रैली में बच्चों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी: जिलेभर में निकली तिरंगा रैली में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिस्सा लिया। रैली के दौरान बच्चों और नागरिकों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गर्व की भावना व्यक्त की।स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना के साथ मनाएं अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने जिलेवासियों से अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना के साथ मनाएं। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश पहुंचाना है। बीजापुर में इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस केवल आजादी का उत्सव नहीं, बल्कि शांति की स्थापना और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है।

मंत्री रामविचार नेताम की पहल से बलरामपुर-रामानुजगंज में जल्द खुलेगा रेलवे रिजर्वेशन काउंटर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आदिम जाति और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के लोगों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग को प्रमुखता से उठाते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आज सुबह दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मांग पत्र प्रेषित कर बलरामपुर जिला मुख्यालय में शीघ्र रेलवे रिजर्वेशन काउंटर प्रारंभ कराने का आग्रह किया है। मंत्री रामविचार नेताम की मांग पर केन्द्रीय रेल मंत्री ने सहमति प्रदान करते हुए जल्द मांग पूरी करने का आश्वासन दिया। रेल्वे काउंटर बनने से हजारों यात्रों को राहत मिलेगी। मंत्री नेताम ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से आम नागरिकों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों तथा मरीजों सहित हजारों यात्रियों को टिकट आरक्षण के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि होती है तथा आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोलने की मांग लगातार की जा रही है। जनसंख्या, बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं तथा क्षेत्रीय विकास को देखते हुए अब यह सुविधा उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक हो गया है। नेताम ने केंद्रीय रेल मंत्री से आग्रह किया है कि जनहित एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए बलरामपुर जिला मुख्यालय में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोले जाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। इससे जिले के हजारों यात्रियों को बेहतर रेलवे सेवाएं उपलब्ध होंगी और उन्हें आरक्षण के लिए दूर-दराज के शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया हरेली तिहार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि पर 'हरेली तिहार' हर्षोल्लास से मनाया गया। कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में पारंपरिक तरीके से आयोजित हरेली तिहार उत्सव के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बैलों, हलों एवं अन्य कृषि यंत्रों एवं उपकरणों की पूजा-अर्चना की और अच्छी फसल की कामना की। इसके उपरांत कृषि महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं - गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, पिठ्ठुल, नारियल फेंक, रस्साकशी (रस्सा-कासी) एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और वहां उत्सव का माहौल निर्मित हो गया। कुलपति डॉ. चंदेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हरेली तिहार की प्रासंगिकता तथा कृषि एवं पर्यावरण के संबंध में इसके वैज्ञानिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होनें कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व किसानों, गौ-वंश, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की हमारी समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों एवं पारंपरिक कृषि विरासत से जोड़ना महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर पारंपरिक हरेली प्रसाद तथा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों- खुरमी, ठेठरी, अईरसा, बड़ा, पीढ़िया, गुलगुला आदि का वितरण किया गया। स्वागत भाषण और धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने दिया।

राष्ट्रपति भवन में गूंजेगी छत्तीसगढ राज्य के धमतरी जिले के नगरी की मांदर की थाप

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी लोककला, संस्कृति और परंपराओं के लिए यह गौरव का क्षण है। छत्तीसगढ के जिले के नगरी विकासखंड की पारंपरिक लोककला की अनूठी छटा देखने को मिलेगी। ग्राम सरईटोला (गुडरापार) का सुप्रसिद्ध 'जय गढ़िया बाबा आदिवासी लोक मांदरी नृत्य दल' राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक गुट्टा मांदर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति देगा।

लोक परंपराओं की राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा: यह अवसर न केवल छत्तीसगढ सहित धमतरी जिले के लिए गौरव का विषय है। देश के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंच पर जिले के ग्रामीण अंचल के कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलना प्रदेश की लोक परंपराओं की राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा।

पारंपरिक कला और संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन: सरईटोला का यह लोक नृत्य दल अपनी विशिष्ट गढ़वा नृत्य शैली, गुट्टा मांदर की ऊर्जावान प्रस्तुति, पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों के लिए जाना जाता है। दल के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज के लोकजीवन, परंपराओं, उत्सवों और सामुदायिक संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करते हैं। मांदर की थाप, पारंपरिक गीत और सामूहिक नृत्य की लय इस कला को विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

लोकजीवन, सामुदायिक एकता और परंपराओं का संवाहक: नृत्य की एक विशेष पहचान कलाकारों की रंग-बिरंगी पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा भी है। पारंपरिक परिधान, आभूषण और साज-सज्जा नृत्य की सांस्कृतिक गरिमा को और बढ़ाते हैं। यह लोकनृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोकजीवन, सामुदायिक एकता और परंपराओं का संवाहक है। फसल कटाई, उत्सवों, मेलों तथा विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक अवसरों पर इसका विशेष आयोजन किया जाता है। नागपुर सांस्कृतिक भवन द्वारा विशेष चयन।

रामलला दर्शन योजना : 30 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना, जिले में उत्साह का माहौल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई से रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत 30 श्रद्धालुओं को आज सुबह 9: 15 बजे जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। श्रद्धालु पहले बस के माध्यम से खैरागढ़ से राजनांदगांव पहुंचेंगे, जहां से वे विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से उनका राम के दर्शन करने का वर्षों पुराना सपना साकार हो रहा है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रामभक्तों के लिए निःशुल्क अयोध्या धाम में भगवान राम के दर्शन कराने हेतु 'रामलला दर्शन योजना' की शुरुआत की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले से चयनित श्रद्धालुओं को विशेष ट्रेन के माध्यम से अयोध्या ले जाया जा रहा है। योजना के तहत श्रद्धालुओं को संपूर्ण सुविधा पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें यात्रा, आवास, भोजन, नाश्ता तथा मंदिर दर्शन की व्यवस्था शामिल है। साथ ही यात्रा के दौरान सुरक्षा कर्मी, चिकित्सक दल एवं टूर एस्कॉर्ट भी साथ रहेंगे, जिससे श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुगम हो सके। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, खैरागढ़ नगर पालिका अध्यक्ष मती गिरजा चंद्राकर, जिला पंचायत सभापति दिनेश वर्मा।

अमृत सरोवरों के तट पर मनेगा स्वतंत्रता दिवस, जांजगीर-चांपा में होंगे विशेष आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस 2026 को जांजगीर-चांपा जिले में राष्ट्रप्रेम के साथ प्रकृति एवं जल संरक्षण के संदेश से जोड़ते हुए विशेष रूप से मनाया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार जिले की ग्राम पंचायतों में 15 अगस्त को अमृत सरोवरों के तट पर मनरेगा श्रमिकों के द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अमृत सरोवरों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन सरोवरों के तट पर

आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से मनरेगा श्रमिकों के माध्यम से ग्रामीणों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ ही सामुदायिक भागीदारी और सतत आजीविका गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

ध्वजारोहण के साथ होंगे विविध कार्यक्रम: समारोह के दौरान ध्वजारोहण, तिरंगा यात्रा, अमृत सरोवर परिसर में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम, देशभक्ति गीत, नुक्कड़ नाटक, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को जनभागीदारी और सामाजिक सरोकारों से जोड़ा जाएगा।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं विशिष्ट नागरिकों का होगा सम्मान: अमृत सरोवर स्थलों पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिवार के सदस्यों अथवा पुरस्कार विजेताओं और ग्राम पंचायत के विशिष्ट नागरिकों को आमंत्रित कर सम्मानित करने की पहल भी की जाएगी। इससे नई पीढ़ी को देश की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष और समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों से प्रेरणा मिलेगी।

सुकमा में आयुष्मान महा अभियान 13 अगस्त को 10 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सुकमा जिले में कल 13 अगस्त को आयुष्मान महा अभियान चलाया जाएगा। बस्तर तिरंगा यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की टीमें गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाएंगी। कलेक्टर अमित कुमार की अध्यक्षता में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रशासन ने इस विशेष अभियान में 10 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा है, ताकि अधिक से अधिक परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके।

हर पात्र परिवार को मिलेगा स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ: अभियान के माध्यम से पात्र परिवारों को आयुष्मान योजना के तहत प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा का लाभ दिलाया जाएगा। इसके साथ ही 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

कार्ड बनवाने के लिए रखें जरूरी दस्तावेज: आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर और आवश्यक पहचान दस्तावेज साथ लाना होगा। अभियान के दौरान आयुष्मान कार्ड पूरी तरह निःशुल्क बनाए जाएंगे।

गांव पहुंचने पर टीम से जरूर बनवाएं कार्ड: कलेक्टर अमित कुमार और जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने जिलेवासियों से अपील की है कि राशन कार्ड में दर्ज परिवार के सभी पात्र सदस्यों का आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं। 13 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंचेगी, इसलिए सभी लोग आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहें। जिनका आयुष्मान कार्ड पहले से बना है, उन्हें दोबारा कार्ड बनवाने की जरूरत नहीं है।

बुजुर्गों के लिए विशेष अभियान: जिला प्रशासन ने विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के बुजुर्गों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवाने का आग्रह किया है। प्रशासन ने संदेश दिया है- 'राशन कार्ड में नाम है तो आयुष्मान कार्ड जरूर बनवाएं। '

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

गुणवत्ता और समय-सीमा पर विशेष जोर, ठेकेदारों को नियमित भुगतान के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज रायपुर परिक्षेत्र के सभी संभागों में निर्माणाधीन सड़कों और भवनों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में आयोजित बैठक में अधिकारियों से स्वीकृत और निर्माणाधीन कार्यों के साथ ही प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों की निविदा प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने वर्ष 2024-25 तक के सभी प्रगतिरत कार्यों को 31 मार्च 2027 तक पूर्ण करने के दिए निर्देश दिए। बंसल ने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन कर हर महीने भुगतान के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता को हर महीने कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, मुख्य अभियंता पी.एम. कश्यप और टी.आर. कुंजाम भी बैठक में मौजूद थे।लोक निर्माण विभाग के सचिव ने फील्ड का दौरा कर और साइट देखने के बाद ही निर्माण कार्यों के प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश विभागीय अभियंताओं को दिए। उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संपर्क और समन्वय बनाकर निर्धारित टाइम-लाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टाइम-लाइन के मुताबिक समय पर काम नहीं करने वाले, लापरवाही बरतने वाले और गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने तथा आगामी निविदाओं के लिए अपात्र करने के निर्देश दिए।

विभागीय सचिव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और उन्हें समय-सीमा में पूरा करने सुव्यवस्थित तथा योजनाबद्ध ढंग से काम करने को कहा। उन्होंने रायपुर और नवा रायपुर में कार्यों की सहूलियत, बेहतर मॉनिटरिंग और प्रशासनिक कसावट के लिए रायपुर मंडल क्रमांक-1 के चारों संभागों को पुनर्गठित कर कार्यक्षेत्रों का नए सिरे से विभाजन करने को कहा। उन्होंने राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप एक ही टेबल पर तीन वर्षों से अधिक समय से काम कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची तैयार कर 30 सितम्बर तक नई पदस्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में लोक निर्माण विभाग के रायपुर परिक्षेत्र के सभी संभागों में अनुकंपा नियुक्ति तथा न्यायालयीन प्रकरणों की भी समीक्षा की।

बंसल ने पीडब्लूडी-आईएमएस (PWD-IMS) में विभाग के सभी कार्यों की एंट्री 31 अगस्त तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 तथा 2026-27 के प्राथमिकता वाले नए कार्यों के प्राक्कलन भी 31 अगस्त तक जमा करने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सेवा सेतु तथा लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों को भी समय-सीमा में सक्रियता से निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुविधा और नागरिकों की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अगले पांच वर्षों में सड़कों की जरूरत का आकलन कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद तत्काल अनुबंध कर कार्यादेश जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निविदा में कार्यपूर्णता के लिए उपयुक्त समय-सीमा के निर्धारण के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश प्रमुख अभियंता को दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु, पोल शिफ्टिंग, पाइपलाइन शिफ्टिंग तथा अन्य यूटिलिटीज की शिफ्टिंग की जरूरत को ध्यान में रखते हुए कार्यपूर्णता के लिए समयावधि निर्धारित करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद तीन महीनों के भीतर फाइनल बिल तैयार करने तथा ठेकेदारों को भुगतान के लिए भी एसओपी बनाने के निर्देश प्रमुख अभियंता को दिए। बंसल ने कार्यपालन अभियंताओं को विभिन्न आयोजनों के बिलों के भुगतान ठेकेदारों को तत्परता से एक महीने के भीतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने चालू मानसून सीजन में सड़कों की पेच रिपेयरिंग और गड्ढा भरने के काम तत्काल करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों को नोटिस देकर परफॉर्मेंस गारंटी की सड़कों की भी मरम्मत तत्काल सुनिश्चित करने को कहा।